PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 251 ● भिलाई, बुधवार 15 अप्रैल 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

सक्ती पावर प्लांट में जोरदार धमाका

धमाके से 11 की मौत,30 से 40 मजदूर गंभीर रूप से घायल

सक्ती/ संवाददाता

सक्ती जिले के सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में मंगलवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया, जब प्लांट के भीतर बॉयलर फटने से जोरदार विस्फोट हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस घटना में 30 से 40 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो, जबकि 11 लोगों की मौत हो चुकी है। बताया जा रहा है कि हादसा दोपहर करीब 2 बजे हुआ, जब प्लांट में नियमित कार्य चल रहा था। अचानक हुए विस्फोट से पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई और कर्मचारी जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे। घटना के तुरंत बाद राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है, जहां उनका इलाज जारी है। कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है। हालांकि, प्रशासन की ओर से बयान आना बाकी है। सूचना मिलते ही प्रशासनिक और पुलिस टीम मौके पर पहुंच रही है। साथ ही फायर ब्रिगेड और मेडिकल टीम भी मौके पर पहुंच रही है। हादसे के कारणों का फिलहाल स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है, लेकिन प्रारंभिक तौर पर तकनीकी खराबी या सुरक्षा मानकों में लापरवाही की आशंका जताई जा रही है। अस्पताल से मिली जानकारी के मुताबिक, घायलों को तत्काल रायगढ़ के जिंदल अस्पताल ले जाया गया है। जहां 18 घायलों को भर्ती किया गया था। जिसमें से छह की मौत हो गई और चार की सक्ति में मौत हो गई थी। कुल अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 12 घायल लोगों

का इलाज चल रहा है। बता दें कि यहां का वेंटीलेटर फुल हो चुके हैं, इसलिए अन्य झुलसे लोगों को अन्य अस्पताल ले जाया गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, 7 से 10 लोगों के मरने की आशंका थी और 30 से 40 मजदूरों के झुलसने की खबर मिली थी। एक घायल को मेडिकल कालेज अस्पताल भेजा गया है। मृतक के शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजने की तैयारी की जा रही है। मौके पर पुलिस ओर प्रशासन की टीम मौजूद है। मृतकों की संख्या में और इजाफा हो सकता है। सक्ती के सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में बॉयलर ब्लास्ट की दुर्घटना पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गहरी संवेदना व्यक्त की और शोकाकुल परिजनों के साथ अपनी संवेदनाएं जताईं। उन्होंने जिला प्रशासन को राहत-बचाव कार्य तेज करने, घायलों के बेहतर उपचार और घटना की निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए तथा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। सक्ती जिले में सिंघीतराई स्थित 'वेदांता पावर प्लांट' में बॉयलर फटने से हुई भीषण दुर्घटना की सूचना अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक है। इस दुर्घटना में कुछ श्रमिकों के निधन और घायल होने का समाचार अत्यंत व्यथित करने वाला है। मेरी गहरी संवेदनाएँ शोकाकुल परिजनों के साथ हैं।

सीएम साय ने जताया दुख, बोले-दोषियों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई

छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले के सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में बॉयलर ब्लास्ट की दुर्घटना पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गहरी संवेदना व्यक्त की। साथ ही उन्होंने शोकाकुल परिजनों के साथ अपनी संवेदनाएं

जताई। उन्होंने जिला प्रशासन को राहत-बचाव कार्य तेज करने, घायलों के बेहतर उपचार और घटना की निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए तथा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, 'सक्ती जिले में सिंघीतराई स्थित 'वेदांता पावर प्लांट' में बॉयलर फटने से हुई भीषण दुर्घटना की सूचना अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक है।

संक्षिप्त समाचार

बेंगलुरु में कॉलेज के छात्रों ने नकली बंदूक दिखाकर सहपाठी का अपहरण किया

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एक कॉलेज के कुछ छात्रों ने अपने एक सहपाठी का अपहरण कर लिया और उससे 50,000 रुपये की फिरौती मांगी। जिसकी जानकारी पुलिस को होने के बाद उन्होंने अगवा छात्र को सकुशल बरामद कर लिया है और अपहरण को अंजाम देने वाले 4 छात्रों को गिरफ्तार किया है। छात्रों ने अपहरण करने के लिए पीड़ित छात्र को नकली बंदूक से डराया था। जैन डीम्ड विश्वविद्यालय में मैनेजमेंट स्टडीज के प्रथम वर्ष के छात्र ऋषभ मोहंती का शनिवार शाम को उसी संस्थान के चार छात्रों आदित्य बोंस्ले उर्फ आदित्य रॉक्सी, शौर्य अग्रवाल, सैयद बिलाल और निकुंज ने अपहरण कर लिया। मोहंती ओडिशा के निवासी हैं और बीटीएम लेआउट प्रथम चरण के छात्रावास में रहते हैं। आरोप है कि छात्रावास के सामने गिरोह ने मोहंती को जबरन टाटा टियागो कार में बैठाया और अपने साथ ले गए। उन्होंने उससे 50,000 रुपये की फिरौती मांगी। इसके बाद मोहंती अपने जिन साथी छात्रों के साथ छात्रावास में मौजूद थे, उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने एक टीम गठित की और मोहंती के दोनों दोस्तों को अपहरणकर्ताओं के संपर्क में रहने को कहा। पुलिस ने बताया कि वे अपहरणकर्ताओं के फोन को ट्रैक कर रहे थे।

दिल्ली विधानसभा में साइनाइड गैस से भरे 15 आरडीएक्स बम धमाके की धमकी

नईदिल्ली। दिल्ली विधानसभा को एक बार फिर बम धमाकों की धमकी मिली है, जिसके बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। विधानसभा और विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता की ईमेल पर धमकी भेजी गई थी, जिसमें लिखा था कि सभी मुस्लिम कर्मचारियों को परिसर से तुरंत हटा लिया जाए। ईमेल में 3 घंटे के अंदर साइनाइड गैस से भरे 15 आरडीएक्स बम धमाकों की धमकी थी। सूचना के बाद डॉग स्क्वॉयड और बम निरोधक दस्ते ने परिसर की तलाशी ली। इस बार धमकी भरा ईमेल हिंदी में लिखकर भेजा गया था, जो अमूमन अंग्रेजी में लिखा मिलता था। इसमें लिखा था, किसी भी ब्राह्मण को द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) में शामिल नहीं होना चाहिए।

विधानमंडल की बैठक में लगी मुहर

बिहार के नए मुख्यमंत्री बने सम्राट चौधरी-15 अप्रैल को लेंगे शपथ..

नई दिल्ली/ एजेंसी

सम्राट चौधरी बने बिहार के नए मुख्यमंत्री, बैठक में लिया गया यह बड़ा फैसला। नीतीश कुमार के इस्तीफे से पहले सीएम सचिवालय में आज सुबह 11 बजे अंतिम कैबिनेट की बैठक हुई। जो करीब 15 मिनट तक चली। बैठक के दौरान नीतीश कुमार ने मंत्रियों के साथ राज्य में नई सरकार के गठन पर गहन चर्चा की। एक मीडिया रिपोर्ट अपने सूत्रों के हवाले से यह दावा कर रही है कि नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह बुधवार सुबह 11 बजे लोक भवन में आयोजित होने की संभावना है। इस बार

मंत्रिमंडल गठन में संतुलन पर खास ध्यान दिया गया है और कुल 24 मंत्रियों का फॉर्मूला तैयार किया गया है।बताया जा रहा है कि प्रस्तावित सूची के अनुसार मुख्यमंत्री समेत भाजपा के 11 मंत्री शामिल हो सकते हैं, जबकि जदयू को उपमुख्यमंत्री पद के साथ 9 मंत्री मिल सकते हैं। इसके अलावा लोजपा (रामविलास) को 2 मंत्री पद और हमतथा आरएलएम को 1-1 मंत्री पद मिलने की संभावना जताई जा रही है। बिहार में भारतीय जनता पार्टी की जमीन साल 2025 से पहले इतनी मजबूत नहीं थी लेकिन विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन ने सबको चौंका दिया था। जिसके बाद ऐसा माना जा रहा था कि अब भाजपा अपना ही मुख्यमंत्री बनाएगी लेकिन नीतीश कुमार को सीएम बनाया गया। हालांकि भाजपा को अपना सीएम बनाने में भले ही थोड़ा समय लगा हो लेकिन आखिरकार सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री की तरफसे चुन लिए गए।

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से हटे लोग 2026 के चुनाव में नहीं डाल सकेंगे वोट

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा कदम उठाते हुए पश्चिम बंगाल में उन लोगों को राहत नहीं दी, जिनके नाम विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान काटे गए हैं और उनकी अपील लंबित है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने राज्य में स्वुरूकी चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह की सुनवाई के दौरान यह फैसला किया। कोर्ट ने कहा वह उनको मतदान की अनुमति नहीं दे सकता, जिनकी अपील लंबित है। सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, उन्हें वोट देने की अनुमति देने का सवाल ही क्या है? अगर हम इसकी अनुमति देते हैं। तो फिर हमें

यही है विकसित भारत का सच

12,000 की तनख्वाह में परिवार पालना आज के दौर में असंभव

नई दिल्ली/ एजेंसी

नोएडा में जल रही विरोध की आग अब राजधानी के सियासी गलियारों तक पहुँच गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नोएडा के आंदोलनकारी श्रमिकों के समर्थन में उतरते हुए सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल ने मजदूरों के प्रदर्शन को उनकी आखिरी चीख करार देते हुए कहा कि ?12,000 की तनख्वाह में परिवार पालना आज के दौर में असंभव हो गया है। उन्होंने न केवल महंगाई और ईंधन की कीमतों को लेकर केंद्र को घेरा, बल्कि नए 'लेबर कोड' को श्रमिकों के शोषण का

हथियार बताया। राहुल गांधी ने कहा कि नोएडा की सड़कों पर जो कुछ हुआ, वह देश के श्रमिकों की आखिरी चीख है, जिसे लंबे समय से अनसुना किया जा रहा था। उन्होंने मजदूरों की कम आय और बढ़ते खर्च का मुद्दा उठाते हुए कहा कि 12,000 की मासिक तनख्वाह में 4,000-7,000 किराया देना पड़ता है, जबकि मामूली वेतन वृद्धि महंगाई के सामने टिक नहीं पाती। राहुल गांधी ने बढ़ती महंगाई और ईंधन कीमतों को श्रमिकों की मुश्किलों का बड़ा कारण बताया। एक महिला मजदूर का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि गैस के दाम बढ़ते हैं, लेकिन हमारी तनख्वाह नहीं। राहुल गांधी ने यह भी कहा कि वैश्विक स्तर पर पश्चिम एशिया के तनाव और सप्लाई चेन में रुकावटों के कारण महंगाई बढ़ी है, लेकिन इसका सबसे ज्यादा असर आम मजदूरों पर पड़ा है, न कि बड़े उद्योगपतियों पर।

पाकिस्तान में वार्ता विफल के बाद

ट्रंप ने पीएम मोदी से फोन पर की बात.....

नई दिल्ली। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच 40 मिनट तक फोन पर बातचीत हुई। इस साल दोनों नेताओं के बीच यह तीसरी फोन कॉल थी। इससे पहले मार्च के अंत में पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर बातचीत हुई थी। दोनों नेताओं ने होर्मुज के बंद होने पर चिंता जताई थी। इस वार्ता के बाद पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा था कि मुझे राष्ट्रपति ट्रंप का फोन आया और पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा हुई। भारत तनाव कम करने और जल्द से जल्द शांति बहाल करने का समर्थन

करता है। होर्मुज का खुला, सुरक्षित और सुलभ रहना पूरी दुनिया के लिए आवश्यक है। हमने शांति और स्थिरता के प्रयासों के संबंध में संपर्क में रहने पर सहमति जताई। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मुझे मेरे मित्र अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप का फोन आया।

इस साल औसत से कम होगी मानसून में बारिश

नईदिल्ली। इस बार मानसून में अच्छी बारिश देखने को नहीं मिलेगी। यह संभावना भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को जताई है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम रविचंद्रन और आईएमडी के महानिदेशक डॉ मृत्युंजय मोहपात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि दीर्घकालिक पूर्वानुमान है कि 2026 के दौरान पूरे देश में जून से सितंबर तक वर्षा सामान्य से कम रहेगी। भारत में 3 वर्षों में पहली बार होगा, जब दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम में बारिश कम होगी। विशेषज्ञों के अनुसार, मानसून आमतौर पर 1 जून के आसपास दक्षिणी राज्य केरल में आता है और सितंबर के मध्य तक वापस चला जाता है, इस वर्ष दीर्घकालिक औसत का 92 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री मोदी ने खुद संभाली कमान

लोकसभा में महिलाओं के लिए रिजर्व होंगी 273 सीटें,कुल सांसदों की संख्या में भी होगा इजाफा

नई दिल्ली। देश में महिला आरक्षण लागू करने और लोकसभा में सांसदों की संख्या बढ़ाने की चर्चाओं के बीच मीडिया में खबरें सामने आ रही हैं कि महिला आरक्षण लागू होने के बाद संसद में लोकसभा सांसदों की संख्या बढ़कर कुल 850 हो जाएगी। हालांकि पहले यह संख्या 816 बताई जा रही थी, लेकिन अब इसकी संख्या बढ़कर 850 तक होने की चर्चा है। इसके तहत राज्यों में 815 और केंद्र शासित प्रदेशों में 35 लोकसभा सीट आएंगी। राजधानी दिल्ली में 11 सीट होगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के

आरक्षित रखी जाएगी। इसके बाद लगभग 273 सीटें महिलाओं के लिए रिजर्व हो जाएगी। इसके साथ ही देश में एसटी सीटों की संख्या में भी इजाफा होगा। न्यूज 18 ने अपने रिपोर्ट में दावा किया है कि महिला आरक्षण संशोधन बिल के ड्राफ्ट में 850 सीटों का प्रस्ताव रखा गया है। यह बिल रिव्यू के लिए आज ही सांसदों को दिया जाएगा। आपको बता दें कि गुरुवार से तीन दिनों के लिए विशेष संसद सत्र शुरू हो रहा है। इस दौरान संसद में महिला आरक्षण में संशोधन बिल का प्रस्ताव रखा जाएगा। इस प्रस्ताव में 2029 के ही आम चुनाव में महिला आरक्षण को लागू की योजना है। साथ ही सीटों का परिसीमन 2011 की जनगणना के अनुसार किया जाएगा। वर्तमान 543 लोकसभा सीटों का परिसीमन 2001 की जनगणना के आधार पर परिसीमन अधिनियम 2002 के तहत हुआ है। इसे सन् 2008 में लागू किया गया था, जबकि सीटों की संख्या और राज्यों के बीच उनका विभाजन 1971 की जनगणना के आधार पर ही होता आया है। महिला आरक्षण बिल की कमान पीएम नरेंद्र मोदी ने खुद ही संभाल रखी है। पीएम मोदी इसके पक्ष में लगातार माहौल बनाते नजर आ रहे हैं।

पंच बद्री, पंच केदार को किया नमन

हमारा देश विकास की भाग्य रेखाएं बनाने में है जुटा...

देहरादून/ एजेंसी

देहरादून में जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी का भारत आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के ऐसे दौर में प्रवेश कर रहा है, जो पहले अकल्पनीय था। अमृतसर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर समेत कई बड़े प्रोजेक्ट प्रगति के नए द्वार खोल रहे हैं, जिनसे लोगों की उम्मीदें जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से समय की बचत होगी, यात्रा सस्ती होगी और किराया-भाड़ा कम खर्च होगा। साथ ही हजारों श्रमिकों को रोजगार मिला है और इंजीनियरों सहित कई क्षेत्रों को इसका लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के पर्यटन को इससे बड़ा फायदा होगा। देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और चारधाम यात्रा के लिए यह इंफ्रास्ट्रक्चर अहम साबित होगा। राज्य विंटर टूरिज्म, विंटर स्पोर्ट्स और वेड इन इंडिया के लिए तेजी से उभर रहा है, वहीं शीतकालीन धार्मिक यात्राओं में भी लगातार वृद्धि हो रही है। पीएम मोदी ने कहा कि भविष्य की दशा के लिए अक्सर लोग हाथ की रेखाएं देखते हैं। मैं इस विज्ञान को तो नहीं जानता लेकिन ये भी एक शास्त्र है। इसी संदर्भ को राष्ट्र जीवन से जोड़कर देखूं तो राष्ट्र की भाग्य रेखाएं हमारी सड़कें होती हैं। हाईवे, रेलवे, एक्सप्रेस वे होते हैं। हमारा देश ऐसे ही विकास की भाग्य रेखाओं को बनाने में जुटा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अगले कुछ दिनों में चारधाम यात्रा शुरू होने जा रही है। मैं पंच बद्री, पंच केदार, पंच प्रयाग और यहां के आराध्य देवों को प्रणाम करता हूं। संतला माता को भी प्रणाम। इतने बड़े प्रोजेक्ट को पूरा करने में मां डाट काली का

आशीर्वाद मिला। उत्तराखंड 26वें वर्ष में प्रवेश कर चुका। आज से प्रगति में एक और उपलब्धि जुड़ी है। इस शताब्दी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक होगा। बाबा केदार के दर्शन के बाद मेरे मुंह से निकला था। ये प्रोजेक्ट उत्तराखंड को नई गति देगा। इससे गाजियाबाद, बागपत, बड़ौत, शामली, सहारनपुर को भी बहुत फायदा होगा। आज डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती है। मैं श्रधंजलि अर्पित करता हूं। हमारी सरकार ने जो निर्णय लिए वो संविधान को पूरी तरह लागू करने वाले हैं। आर्टिकल 370 हटने के बाद आज पूरे देश मे संविधान लागू है। उत्तराखंड ने संविधान की भावना को आगे बढ़ाकर पूरे देश को राह दिखाई है। हमारी सरकार आज हर गरीब वंचित को सच्चा सामाजिक न्याय देने में जुटी है। इसलिए बाबा साहब आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर की भरपूर वकालत करते थे। पीएम मोदी ने सभी का आभार जताते हुए कि आज देश में पर्व त्योहार की उमंग है। विभिन्न हिस्सों में नववर्ष का आगमन हुआ है। मैं देशवासियों को वैसाखी, बोहाग की शुभकामनाएं देता हूं। अंत में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं उत्तराखंड आऊं और फौज की बात न हो तो बात अधूरी रहती है। गढ़ी कैंट, शहीद जसवंत सिंह रावत के शौर्य को देश कभी भुला नहीं सकता। वन रैंक वन पेंशन के माध्यम से हमने करीब सवा लाख करोड़ खर्च किये।

योगी सरकार का बड़ा आदेश

नोएडा में न्यूनतम मजदूरी21 फीसदी बढ़ाने का ऐलान.....

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने गौतमबुद्ध नगर में जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच श्रमिकों के लिए बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने 1 अप्रैल से कुशल और अकुशल श्रमिकों की मजदूरी में करीब 21% तक की अंतरिम बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है। खासतौर पर नोएडा और गाजियाबाद के श्रमिकों को सबसे अधिक लाभ मिलेगा।वहीं, सरकार ने स्पष्ट किया है कि 20,000 रुपये न्यूनतम वेतन की खबर पूरी तरह भ्रामक है। उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार, नए श्रम संहिता के तहत भारत में राष्ट्रीय स्तर पर न्यूनतम वेतन तय करने की

प्रक्रिया शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य सभी राज्यों में श्रमिकों के लिए समान और न्यायसंगत वेतन व्यवस्था लागू करना है। इसी बीच नोएडा के फेज-2, सेक्टर 62 और अन्य इलाकों में कुछ मजदूरों द्वारा फैली आशंकाओं और अफवाहों के कारण गाड़ियों में तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाएं सामने आई थीं।

'गांव चलो, बस्ती चलो' कार्यक्रम में दिखा जनसंपर्क का जोश शामिल हुई प्रदेश मंत्री संध्या परगनिहा

महिला आरक्षण पर कांग्रेस की राजनीति बनाम भाजपा का संकल्प : प्रज्ञा निर्वाणी

बेमेतरा। ग्राम सलधा में भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित गांव चलो, बस्ती चलो कार्यक्रम उत्साह और जनसहभागिता के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस ने वर्षों तक महिला सशक्तिकरण को केवल नारे तक सीमित रखा, जबकि भाजपा ने इसे धरातल पर उतारने का कार्य किया है। प्रज्ञा निर्वाणी ने कहा कि कांग्रेस के लिए महिला आरक्षण का अर्थ केवल एक परिवार विशेष की महिलाओं सोनिया और प्रियंका तक सीमित रहा है, जबकि भाजपा इसे देश की हर महिला के अधिकार के रूप में देखती है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की राजनीति परिवारवाद और वंशवाद के इर्द-गिर्द घूमती रही, जिसमें आम महिलाओं को नेतृत्व के अवसर नहीं मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने ऐतिहासिक पहल करते हुए महिला आरक्षण को साकार करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं,आजादी के 75 वर्षों बाद देश की आधी आबादी को उसका वास्तविक राजनीतिक अधिकार देने की दिशा में यह एक निर्णायक प्रयास है,उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भाजपा का दृष्टिकोण समावेशी है, जहां हर वर्ग और हर महिला को समान अवसर देने की प्रतिबद्धता दिखाई देती है। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री संध्या परघनिया ने भी अपने संबोधन में कहा कि भाजपा केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें जमीन पर उतारकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करती है 'गांव चलो, बस्ती चलो' अभियान इसी सोच का प्रतीक है, जिसके माध्यम से कार्यकर्ता सीधे जनता से जुड़कर उनकी समस्याओं को समझते और समाधान का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण भाजपा के मूल विचारों में शामिल है और आने वाले समय में महिलाओं की भागीदारी और अधिक मजबूत होगी। कार्यक्रम में ममता साहू, पूर्व जिला महामंत्री सावित्री रजत सरपंच सियाराम सिन्हा, उपसरपंच चित्रेखा साहू, प्रतिनिधि धनंजय साहू, भूतपूर्व अध्यक्ष बीरेंद्र सिन्हा, सोहन साहू, बलराम पटेल, जिला उपाध्यक्ष प्रतिनिधि नमन देवांगन एवं जनपद सदस्य प्रतिनिधि यशवंत निषाद, नलिनी यादव, सुमित्रा साहू, सुलोचनी सहित अनेक कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। गांव चलो, बस्ती चलो अभियान के तहत कार्यकर्ताओं ने घर-घर पहुंचकर केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मूल मंत्र के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का संकल्प दोहराया गया।

म्युल अकाउंट के माध्यम से साइबर ठगी का खुलासा तीन आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा। म्यूल अकाउंट के माध्यम से साइबर ठगी का खुलासा तीन आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया और आरोपियों से कुल 05 नग पास बुक, 02 नग चेक बुक, 02 नग मोबाईल एवं 08 नग एटीएम जप्त किया गया थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा को विश्वस्त सूत्र से जानकारी प्राप्त हुई है कि इंडियन बैंक शाखा बेमेतरा के खाता धारक द्वारा साइबर धोखाधड़ी के राशि को अपने बैंक खाता में प्राप्त कर म्यूल अकाउंट के रूप में उपयोग किया जा रहा है, प्राप्त सूचना की तस्दीक हेतु इंडियन बैंक शाखा बेमेतरा से सम्पर्क करने पर जानकारी प्राप्त हुई कि इंडियन बैंक शाखा बेमेतरा इफ्सस कोड के बैंक खाता नम्बर के धारक धर्मराज साहू ग्राम मुरता थाना नवागढ़ जिला बेमेतरा के नाम पर होना पाया गया। उक्त बैंक खाता का स्टेटमेन्ट इंडियन बैंक शाखा बेमेतरा से प्राप्त कर अवलोकन करने पर 23.05.2025 से 01.07.2025 तक उक्त बैंक खाता में कुल आहरण रकम 6,52,632/- रूपये एवं जमा रकम 6,65,564/- रूपये है, जिसमें से 03.06.2025 को 5000 रूपये समेकट पाया गया, उक्त बैंक खाता धारक धर्मराज साहू द्वारा धोखाधड़ी से प्राप्त राशि का व्ययन करने, उपयोग करने, संवर्धन करना पाये जाने से धारा 317(2), 317(4), 318(4), 61(2) (ए) बीएनएस का अपराध घटित करना पाये जाने, उपरोक्त बैंक खाता धारक के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपी धर्मराज साहू को पूछताछ करने पर पता चला कि ग्राम मुरता के संतोष साहू एवं एक अन्य के द्वारा इसे लोन दिलाने के नाम पर इसका अलग-अलग बैंक में खाता खुलवाकर बैंक पास बुक, एटीएम एवं सीम को अपने पास रखकर धोखाधड़ी के रकम का ट्रांसफर कराना। आरोपी संतोष साहू एवं एक अन्य से पूछताछ करने पर अपना अपराध स्वीकार किया। आरोपियों से कुल 05 नग पास बुक, 02 नग चेक बुक, 02 नग मोबाईल एवं 08 नग एटीएम जप्त किया गया हैं। प्रकरण में आरोपी संतोष साहू एवं एक अन्य के द्वारा लोगों का बैंक खाता खोलवाकर धोखाधड़ी रकम को बैंक खाता में प्राप्त कर आहरण करना एवं आरोपी धर्मराज द्वारा संतोष साहू एवं एक अन्य से रकम लेकर अपना बैंक खाता खोलवाकर धोखाधड़ी रकम को प्राप्त कर संवर्धन करना पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने से 11 अप्रैल 2026 को आरोपियों धर्मराज साहू पिता घनश्याम साहू उम्र 32 वर्ष, संतोष कुमार साहू पिता पुहुप राम साहू उम्र 41 वर्ष, दोनों निवासी मुरता थाना नवागढ़, जिला बेमेतरा एवं एक अन्य को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय न्यायिक रिमांड पर पेश किया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान अन्य आरोपियों का भी शामिल होना पता चला है जिस पर जांच कार्यवाही किया जाकर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। प्रकरण में विवेचना जारी है। उक्त कार्यवाही अधिकारियों के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली बेमेतरा निरीक्षक सोनल ग्वाला, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक मयंक मिश्रा, सहायक उप निरीक्षक सुरेश सिंह, उद्दल राम टांडेकर, प्रधान आरक्षक मोहित चेलक, आरक्षक पुरुषोत्तम कुंभकार, देवेन्द्र साहू सहित थाना बेमेतरा व साइबर सेल के समस्त पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

जनदर्शन में कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने आमजन की सुनीं समस्याएं, जनदर्शन में 82 आवेदन प्राप्त हुए

बेमेतरा। जिले में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले जनदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्टरेट स्थित दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन का आयोजन किया गया। जनदर्शन में कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। जनदर्शन के दौरान नागरिकों ने अपनी विभिन्न मांगों, शिकायतों एवं समस्याओं को प्रशासन के समक्ष रखा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता के साथ संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर एवं समक्ष बुलाकर प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। कई प्रकरणों का समाधान मौके पर ही किया गया। आयोजित जनदर्शन में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 82 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों का प्राथमिकता से निराकरण किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच योग्य आवेदनों को समय-सीमा (टीएल) पंजी में दर्ज कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। जनदर्शन में निराश्रित एवं वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, बैटरी चलित ट्रायसायकल, प्रधानमंत्री आवास योजना, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने सभी आवेदकों को उनकी समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जल जीवन मिशन में बड़ा घोटाला, 3 साल से सूखी पड़ी पानी टंकी, 500 परिवारों को नहीं मिला एक बूंद पानी

बालोद। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना बालोद जनपद पंचायत क्षेत्र के ग्राम भेड़िया नवागांव में भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। गांव में वर्ष 2023 में लाखों रुपये खर्च कर पानी टंकी का निर्माण कराया गया, लेकिन निर्माण के तीन साल बाद भी टंकी से ग्रामीणों के घरों तक पानी नहीं पहुंच पाया है। स्थिति यह है कि अब स्वयं पीएचई विभाग के अधिकारी भी निर्माण कार्य को घटिया और असुरक्षित मान रहे हैं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल आश्वासन दिया जा रहा है। करीब दो हजार आबादी वाले इस गांव के 16 वार्डों में लगभग 500 परिवार निवास करते हैं। योजना के तहत हर घर नल कनेक्शन देकर जल आपूर्ति की जानी थी, लेकिन ग्रामीण बूंद-बूंद पानी के लिए परेशान हैं। पाइपलाइन अधूरी पड़ी है और ठेकेदार काम छोड़कर गायब बताया जा रहा है।

कलेक्टर के सामने खुली पोल, अधिकारियों ने स्वीकाराः घटिया सरिया लगा-बीते 13 मार्च को ग्राम पोंडी में आयोजित जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर में यह मामला जोर-शोर से उठा था। गांव के वर्तमान सरपंच लुमन कुमार साहू, पंच नारद राम भेड़िया, नवल सिंह पिस्दा, दुर्गेश्वरी, पुष्पा बाई, मेंमीन बाई सहित ग्रामीण संजय कुमार, विष्णुराम ठाकुर और देवनारायण ने कलेक्टर के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी। ग्रामीणों की शिकायत के बाद मौके पर मौजूद पीएचई विभाग के अधिकारियों ने स्वयं स्वीकार किया कि पानी टंकी निर्माण में अत्यंत घटिया गुणवत्ता के सरिए का उपयोग किया गया है। अधिकारियों ने यह भी कहा था कि सुरक्षा के लिहाज से इस टंकी को तोड़कर दोबारा बनाया जाना चाहिए। लेकिन एक माह से अधिक समय गुजर जाने के बाद भी न तो टंकी तोड़ी गई, न नया निर्माण शुरू हुआ और न ही दोषी ठेकेदार पर कोई कार्रवाई हुई।

जनदर्शन में फिर पहुंचा गांव, सरपंच बोले- सिर्फ आश्वासन नहीं, समाधान चाहिए-जब जन निवारण शिविर में दिए गए आश्वासन के बाद भी कोई हलचल नहीं हुई, तो ग्रामीणों का धैर्य जवाब दे गया। सरपंच लुमन कुमार साहू पुनः कलेक्टर जनदर्शन पहुंचे और पूर्व में दिए गए आवेदन की याद दिलाते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की। सरपंच ने कहा कि घटिया निर्माण वाली यह टंकी कभी भी धराशायी हो सकती है, जिससे बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने खुद माना है कि काम खराब हुआ है, लेकिन अब तक केवल कागजी आश्वासन ही दिया जा रहा है।

न पाइपलाइन पूरी, न बिजली कनेक्शन, न जल सप्लाई-ग्रामीणों द्वारा सौंपे गए शिकायत पत्र में बताया गया है कि पानी टंकी से न तो पाइपलाइन पूरी तरह जोड़ी गई है और न ही आहता निर्माण पूरा हुआ है। पंचायत द्वारा बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन भी जमा किया जा चुका है, लेकिन सप्लाई शुरू नहीं हुई। कई घरों में नल कनेक्शन अधूरे पड़े हैं। गर्मी के मौसम में गांव के लोग पानी संकट से जूझ रहे हैं, जबकि सरकार हर घर नल से जल पहुंचाने का दावा कर रही है।

ठेकेदार पर कार्रवाई क्यों नहीं? ग्रामीणों ने उठाए सवाल-ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि जब विभाग खुद निर्माण को घटिया मान चुका है, तो फिर अब तक ठेकेदार पर जुर्माना, ब्लैकलिस्ट या एफआईआर जैसी कार्रवाई क्यों नहीं हुई? क्या बिना गुणवत्ता परीक्षण के भुगतान कर दिया गया? क्या जिम्मेदार अधिकारियों को बचाया जा रहा है? क्या जल जीवन मिशन केवल कागजों तक सीमित रह गया है? ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि घटिया पानी टंकी को तत्काल तोड़ा जाए, नई गुणवत्ता युक्त टंकी का निर्माण कराया जाए, अधूरी पाइपलाइन व कनेक्शन कार्य पूर्ण किया जाए, दोषी ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई हो और गर्मी में तत्काल वैकल्पिक जल व्यवस्था की जाए।

ड्राइंग के मुताबिक नहीं लगा सरिया, कॉलम का ऊपरी हिस्सा टूटने का खतरा-एसडीओ सुरेश वर्मा ने निर्माण कार्य में गंभीर गड़बड़ियों का खुलासा करते हुए कहा कि पानी टंकी निर्माण में ड्राइंग के अनुसार आवश्यक सरिया नहीं लगाया गया है। ठेकेदार ने तकनीकी मानकों की अनदेखी कर मनमानी तरीके से निर्माण कराया है। उन्होंने बताया कि कॉलम निर्माण में भी भारी त्रुटि पाई गई है। जहां से टंकी का ढांचा शुरू होता है, वहां गोलाकार बीम आता है और उसी हिस्से में गंभीर गड़बड़ी है। इसके चलते कॉलम के ऊपर का हिस्सा कभी भी टूट सकता है, जिससे पूरी संरचना पर खतरा मंडरा रहा है। एसडीओ ने कहा कि 6 माह पहले ही ठेकेदार को पत्र जारी कर दोषपूर्ण हिस्से को तोड़कर पुनर्निर्माण करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन ठेकेदार ने आदेशों को नजरअंदाज कर दिया। इसके बाद 4 माह पहले ठेका निरस्त करने का प्रस्ताव ईई को भेजा गया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वर्क ऑर्डर ईई स्तर से जारी होता है, इसलिए ठेका निरस्त करने की अंतिम कार्रवाई भी उन्हीं के स्तर से होगी। साथ ही ठेकेदार की लापरवाही पर 6 प्रतिशत भुगतान राशि की कटौती भी की जा चुकी है।

जिला कृषि व्यापारी संघ की वार्षिक बैठक सम्पन्न, व्यापारियों की प्रतिज्ञा,उत्तम उत्पाद वाजिब दाम के साथ करेंगे व्यापार

बेमेतरा । बेमेतरा जिला कृषि व्यापारी संघ की एनवल जनरल मीटिंग संपन्न हुई। बैठक की शुरुआत राष्ट्रीय गान जन गण मन के साथ की गई। व्यापारी संघ के अध्यक्ष सिद्दीक खान ने सभी व्यापारी साथियों को नए वित्तीय वर्ष की बधाई और शुभकामनाओं के साथ अध्यक्षीय व्याख्यान रखा। बैठक में प्रमुख रूप से छत्तीसगढ़ कृषि व्यापारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष अतुल मूंदड़ा उपस्थित रहे है।साथ ही उन्होंने सभी की समस्याओं, व्यापार में आने वाली कठिनाइयों को ध्यान से सुनकर सभी का जवाब दिया और समाधान परामर्श भी दिया। साथ ही इस व्यापार की कठिनाइयों से समाधान के लिए राजधानी में शासन प्रशासन के समक्ष इस मुद्दे को दृढ़ता से उठाने की बात उन्होंने ने कही। इस बैठक में सभी व्यापारियों ने एक स्वर में शासन के नए सॉफ्टवेयर एग्री स्टेक के पी ओस के माध्यम से ही रासायनिक उर्वरक निर्धारित दर पर बेचने की अपनी प्रतिबद्धता जताई। कृषि व्यापार में आने वाली परेशानियों के संबंध में एक ज्ञापन उपसंचालक बेमेतरा को सौंप कर समाधान करने का प्रयास करने की बात कही है।समाधान नहीं होने की स्थिति में संचालक रायपुर और कृषि मंत्री से एक प्रतिनिधि मंडल प्रदेश अध्यक्ष के साथ मिलकर अपनी व्यावहारिक दिक्कतों के समाधान निकालने के लिए प्रयास करने का निर्णय लिया है। वर्तमान वैश्विक परिदृश मे रासायनिक खाद की आपूर्ति बनाए रखने के लिए पांच बिंदु में ज्ञापन सौंपा जायेगा, जिसकी प्रमुख मांगों में निर्माता कंपनी और होलसेल डीलर के द्वारा निर्धारित दर से खुदरा व्यापारी को उर्वरक की सप्लाई आपूर्ति कराए जाने की मांग प्रमुख है। जिससे हर अनियमितता से बचा जा सके। इसके लिए जिला के व्यापारी और उर्वरक उत्पादक कंपनी और रैक हैंडलिंग करने वाले थोक डीलर के मध्य मीटिंग कराने की भी मांग रखी गई है। नैनो उर्वरक को सरकार प्राथमिकता दे रही है, इसके लिए विभाग की ओर से किसानो के बीच जागरूकता अभियान चलाने की भी मांग रखी गई है। इसी भांति अनधिकृत रूप से रासायनिक खाद की कमी का फायदा उठाकर कोचिया किस्म के लोग अनाप शनाप दाम पर काला बाजारी कर खाद बेचते है, कृषि विभाग में इनका लाइसेंस नहीं होने के कारण ये बच जाते है ऐसे लोगों पर व्यापारी संघ की मदद से कार्यवाही करने की मांग रखी गई है। इसी भांति गत सत्र में अवैध रूप से नकली खाद बेचते हुए संगठन के माध्यम से विभाग ने पकड़ा था। उस पर क्या कार्यवाही हुई उसका ब्यौरा सार्वजनिक करने की मांग रखी गई है। साथ ही फेरी लगाकर बिना किसी आधार के कृषि आदान सामग्री विक्रय करने वालों पर सख्त कार्यवाही कर प्रतिबंधित करने की मांग भी संगठन ने उठाई है। व्यापारी संगठन का मानना है कि संगठन के व्यापारी विधिवत लाइसेंस लेकर कार्य करते है, और सारी औपचारिकताएं पूरी करते हैं, जबकि अघोषित रूप से बिना किसी वैध दस्तावेज के फेरी लगाकर, घूम घूम कर समान बेचने वालों से संगठन के व्यापारियों को प्रतिस्पर्धा, अमानक माल बेचने का खामियाजा आर्थिक रूप से होता ही है, साथ ही उनका अपयश भी इन्हीं के हिस्से आता है और किसानो को भी अपूरणीय क्षति होती है। अतः ऐसे कोचिया और फेरी वालों पर कठोर कार्यवाही कर लगाम लगाने की मांग भी संगठन के माध्यम से रखी गई है। एग्री स्टेक के माध्यम से उर्वरक विक्रय के लिए व्यापारियों के लिए विभाग की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव विभाग को दिया गया है, जिससे शासन के नियम और मंशा के अनुरूप उर्वरक वितरण का कार्य सुचारू रूप से संचालित किया जा सके। बैठक का संचालन जिला कृषि व्यापारी संघ के अध्यक्ष सिद्दीक खान ने किया।

नारी शक्ति का बढ़ा सम्मान: लोकतंत्र को मिला नया आयाम 33 प्रतिशत आरक्षण पर उतरा गोकुल साहु ने जताया हर्ष

कवर्धा। लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम (106वां संवैधानिक संशोधन, 2023) को लेकर जिले में उत्साह और सकारात्मक माहौल है। भाजपा जिला मंत्री एवं साहु समाज महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष कबीरधाम, उतरा गोकुल साहु ने इस ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करते हुए इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर बताया है। साहु ने कहा कि यह निर्णय देश की माताओं-बहनों के सम्मान, समान अधिकार और नेतृत्व क्षमता को नई पहचान देने वाला है। लंबे समय से महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जिसे अब संवैधानिक स्वरूप मिल गया है। इससे संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित होगी और निर्णय प्रक्रिया अधिक संवेदनशील तथा समावेशी बनेगी। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं नीति निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाती हैं, तब समाज के महत्वपूर्ण मुद्दों–जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, महिला सुरक्षा और सामाजिक न्याय–को नई प्राथमिकता मिलती है। यह कदम केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का आधार भी बनेगा। उतरा गोकुल साहु ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महिलाओं की भागीदारी अनिवार्य है। 33 प्रतिशत आरक्षण से नई पीढ़ी की बेटियों को नेतृत्व के अवसर प्राप्त होंगे और वे देश के विकास में सशक्त भूमिका निभा सकेंगी।

यह निर्णय ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में महिला नेतृत्व को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान करेगा। उन्होंने इस ऐतिहासिक पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कदम भारतीय लोकतंत्र को और अधिक मजबूत, संतुलित और सहभागी बनाने वाला है। कुल मिलाकर, नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक नई क्रांति का सूत्रपात है, जो देश की आधी आबादी को समान अवसर और सम्मान के साथ आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करता है।

पी जी कालेज के पूर्व छात्र–छात्राओं का संगी संगवारी 1997 मिलन का आयोजन

बेमेतरा। बेमेतरा जिला मुख्यालय में शासकीय पंडित जवाहरलाल नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सन 1997 के छात्र-छात्राओं ने संगी संगवारी मीट 1997 का आयोजन किया जिसमें उस समय के अध्यनरत सभी छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया इस आयोजन में तत्कालीन महाविद्यालय में पदस्थ सभी प्राध्यापक एवं महाविद्यालय स्टाफ जो अब सेवा निमित्त हो चुके हैं ने भी अपनी शिरकत की आयोजन बेमेतरा स्थित निजी संस्थान किंग्स होटल में रखा गया था इस दौरान सभी छात्र-छात्राओं ने अपने प्राध्यापकों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि उनके कुशल शिक्षक के बदौलत ही हम जीवन में एक सफल व्यक्ति के रूप में अपना परिवार का भरण पोषण कर पा रहे हैं और समाज में अपने समर्थ अनुसार योगदान दे सक रहे हैं, इस दौरान सभी छात्र-छात्राओं ने आपस में मिलकर अपने सुख-दुख बाटे पूर्व छात्र-छात्राओं के मुख मंडल पर लगभग 30 वर्ष बाद अपने साथियों से मिलन की खुशी अलग से ही देखी जा सकती थी ज्ञात हो कि यह आयोजन छात्र-छात्राओं के द्वारा स्वयं से किया गया था इस आयोजन में पहुंचे हुए प्राध्यापक एवं पूर्व प्राध्यापक गणों ने भी छात्र-छात्राओं से मिलकर अपनी खुशी जाहिर की और एक दूसरे से कुशल क्षेम पूछा कार्यक्रम में शासकीय पंडित जवाहरलाल नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय की प्राचार्य श्रीमती वीणा त्रिपाठी ने भी भाग लिया जहां उन्होंने महाविद्यालय के पूर्व छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु शिष्य की यह परंपरा जो भारत की प्राचीन परंपरा रही है आज इस स्थल पर चरितार्थ हो रही है उन्होंने पूर्व छात्र-छात्राओं से महाविद्यालय के विकास में अपना सहयोग देने की अपील की कार्यक्रम में महाविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक एवं वर्तमान शासकीय घमघा महाविद्यालय के प्राचार्य जेके वर्मा गंडई महाविद्यालय के प्राचार्य एन एस वर्मा ने भी छात्र-छात्राओं को संबोधित किया कार्यक्रम को महाविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक डॉक्टर डी के श्रीवास्तव जो वर्तमान में संचालनालय उच्च शिक्षा विभाग इंद्रावती भवन में नियुक्त हैं।

फाइलों में दब गई ग्रामीणों की शिकायतें, ग्रामीणों की चेतावनी: सड़क सुधार नहीं हुआ तो होगा आंदोलन

विकास की सड़क बनी बदहाली की पहचान: साल्हेटोला–जमरूवा मार्ग गड्ढों में समाया, ग्रामीणों में भारी आक्रोश

बालोद। शासन और प्रशासन जहां गांव-गांव तक विकास पहुंचाने के दावे कर रहे हैं, वहीं बालोद जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत मटिया (बी) के आश्रित ग्राम साल्हेटोला की हकीकत इन दावों की सच्चाई उजागर कर रही है। साल्हेटोला को जमरूवा से जोड़ने वाली करीब 3 किलोमीटर लंबी मुख्य सड़क वर्षों से जर्जर हालत में पड़ी है। सड़क अब सड़क कम और गड्ढों का मैदान ज्यादा नजर आती है, जिससे ग्रामीणों का आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि इस मार्ग की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि पैदल चलना तक मुश्किल हो गया है। वाहन चालकों को हर समय दुर्घटना का डर बना रहता है। ग्रामीण देवलाल साहू, नोहर लाल सिन्हा, रामेश्वर साहू, जेठूराम सिन्हा, दानू प्रसाद कोराम और तेजराम यादव ने प्रशासन से जल्द सड़क निर्माण या मरम्मत कार्य शुरू कराने की मांग की है।

डामर गायब, गड्ढों का राज

ग्रामीणों के अनुसार सड़क का डामर पूरी तरह उखड़ चुका है और जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। कई स्थानों पर सड़क इतनी क्षतिग्रस्त हो चुकी है कि दोपहिया वाहन निकालना भी चुनौती बन गया है। रात के समय स्थिति और खतरनाक हो जाती है, जब अंधेरे में राहगीरों को गड्ढे दिखाई नहीं देते। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि वे कई बार प्रशासनिक शिविरों, जनदर्शन कार्यक्रमों और संबंधित विभागों में आवेदन दे चुके हैं, लेकिन उनकी समस्या केवल कागजों तक सीमित रह गई। वर्षों बीत जाने के बाद भी सड़क सुधार के नाम पर एक ईंट तक नहीं रखी गई।

जनप्रतिनिधियों पर उपेक्षा का आरोप

ग्रामीणों का कहना है कि जनपद और जिला पंचायत प्रतिनिधियों ने भी इस समस्या से दूरी बना ली है। क्षेत्रीय विधायक से भी कई बार मुलाकात कर सड़क की दुर्दशा बताई गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन मिला। लगातार उपेक्षा के चलते अब लोगों का जनप्रतिनिधियों से भरोसा उठता जा रहा है।

बच्चों की पढ़ाई और किसानों की रोजी पर संकट

यह सड़क साल्हेटोला ही नहीं, बल्कि धरमपुरा, नर्रा, नारागांव, मटिया और जमरूवा जैसे कई गांवों की जीवनरेखा है। स्कूली बच्चे रोजाना जान जोखिम में डालकर इसी मार्ग से स्कूल पहुंचते हैं। वहीं किसानों को अपनी उपज मंडी तक ले जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। खराब सड़क के कारण वाहन खराब होते हैं और परिवहन खर्च भी बढ़ जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के दिनों में यह सड़क पूरी तरह कीचड़ और दलदल में बदल जाती है। ऐसे समय कई बार लोग फिसलकर गिर चुके हैं और वाहन भी फंस जाते हैं। कई बार दुर्घटनाएं होने के बावजूद विभाग की नींद नहीं खुली। उग्र आंदोलन की चेतावनी-ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि जल्द ही सड़क का जीर्णोद्धार या नए मार्ग का निर्माण शुरू नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। अब देखना यह है कि जिम्मेदार विभाग ग्रामीणों की इस पीड़ा को समझता है या विकास के दावों की तरह यह मुद्दा भी केवल कागजों में ही दबकर रह जाएगा।

हम प्रशासन के हर शिविर में आवेदन दे चुके हैं, लेकिन हमारी मांग केवल कागजी कार्रवाई और फाइलों तक ही सीमित रह गई। धरातल पर सुधार की एक ईंट भी नहीं रखी गई।

बैधनाथ नागवंशी, ग्रामीण

सड़क भारी जर्जर हो चुका बड़े बड़े गड्ढा हो गया। जिसके चलते कई घटना घट चुका है। जिस वजह से शारीरिक कष्ट झेलना पड़ रहा है। बारिश के दिनों में तो यह मार्ग पूरी तरह दलदल में बदल जाता है।

महेंद्र मंडावी, ग्रामीण

छोटे-छोटे स्कूली बच्चे इन्हीं गड्ढों के बीच से होकर स्कूल जाते है, जिससे हर वक्त दुर्घटना का डर बना रहता है। कई बार दुर्घटना की वजह से कपड़ा गन्दा होने से स्कूल जाने से वंचित रहना पड़ता है।

अमरसिंग मंडावी, पूर्व ग्रामीण अध्यक्ष

जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों को कई बार अवगत करा दिया है, पर समस्या ज्यों का त्यों है। यदि जल्द ही सड़क का जीर्णोद्धार या नए मार्ग का निर्माण शुरू नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

नेमीचंद सेवता, ग्रामीण

संक्षिप्त समाचार

अनियमित कर्मचारियों ने हस्ताक्षर अभियान प्रारंभ, 30 अप्रैल तक चलेगा

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में कार्यरत अनियमित कर्मचारी जिसमें सविदा, प्लेसमेंट, ठेका, दैनिक वेतन भोगी, कलेक्टर दर आदि के लाखों कर्मचारी विगत 20 वर्षों से लंबे आंदोलन, आंदोलन के कारण न्यायालयीन प्रकरणों को झेलना आदि करते आ रहे हैं। इनमें अनुकंपा नियुक्ति पीड़ित संघ भी शामिल है। कर्मचारी नेता विजय कुमार झा एवं प्रगतिशील अनियमित कर्मचारी महासंघ के प्रदेश संरक्षक गोपाल प्रसाद साहू ने बताया है कि दोनों सरकारों ने विपक्ष में रहते हुए नियमितिकरण का वादा किया। 2023 के विधानसभा चुनाव में मोदी की गारंटी के तहत नियमितीकरण का वादा किया गया। जैसे अभी असम और बंगाल के चुनाव में वादे किए जा रहे हैं किंतु नियमितिकरण तो दूर सेवा समाप्ति में सरकार ने ज्यादा रुचि ली। श्री झा ने कहा है आंदोलनकारी को आंदोलन करने के लिए लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत कोई धरना प्रदर्शन स्थल भी निश्चित नहीं है। आज भी तूता धरना स्थल विवाद और शहर से दूरी के कारण अनुपयोगी है। ऐसी स्थिति में अनियमित कर्मचारियों ने 10 अप्रैल से 30 अप्रैल तक मुख्यमंत्री को सौंपे जाने वाले ज्ञापन में हस्ताक्षर अभियान प्रारंभ किया है। पूरे प्रदेश के लाखों अनियमित कर्मचारी हस्ताक्षर कर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपेंगे श्री झा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मांग की है कि तत्काल वादा खिलाफी बंद कर किए गए वादे व नरेंद्र मोदी की गारंटी को प्रदेश में लागू कर 35ब रिक्त शासकीय कार्यालय के पदों पर अनियमित कर्मचारियों को नियमित कर उनके अनुभव का लाभ लिया जावे।

अगले 4 दिन में 3-4 डिग्री चढ़ेगा पारा, 14 अप्रैल से लू के आसार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब गर्मी अपने तेवर दिखाने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार अगले चार दिनों में अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने की संभावना है। इससे प्रदेश के कई हिस्सों में पारा 42 डिग्री या उससे अधिक पहुंच सकता है। खासकर रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर संभाग में 14 अप्रैल से लू चलने के आसार जताए गए हैं। राजधानी रायपुर में शनिवार को अधिकतम तापमान 38.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.1 डिग्री कम रहा। वहीं रविवार को अधिकतम तापमान 39 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। हालांकि आने वाले दिनों में तापमान तेजी से बढ़ने की संभावना है। शनिवार को प्रदेश में सबसे अधिक तापमान राजनांदगांव में दर्ज किया गया, जहां पारा 38.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। फिलहाल राज्य के अधिकांश जिलों में तापमान सामान्य से 3.5 डिग्री तक कम बना हुआ है, लेकिन मौसम के शुष्क होने के कारण अब इसमें लगातार बढ़ोतरी हो रही है। अप्रैल के शुरुआती दिनों में प्रदेश में ऊपरी हवा के चक्रवाती सिस्टम के प्रभाव से कई जगह अंधड़, बारिश और ओलावृष्टि देखने को मिली थी। राजधानी समेत कई इलाकों में बादल छाए रहे, जिससे दिन और रात के तापमान में राहत बनी रही। यही वजह है कि इस बार अप्रैल के शुरुआती 11 दिनों में तापमान सामान्य से कम दर्ज किया गया। मौसम साफ होने और नमी कम होने के कारण अब तेज गर्मी का दौर शुरू होने जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में लू का असर बढ़ेगा, जिससे लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। लू और बढ़ते तापमान का सीधा असर स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। खासकर बुजुर्ग, बच्चे और बाहर काम करने वाले लोगों को अधिक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। दिन के समय धूप में निकलने से बचने, पानी का सेवन बढ़ाने और हल्के कपड़े पहनने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों को लेकर अलर्ट जारी किया है। ऐसे में लोगों को गर्मी और लू से बचाव के उपाय अपनाने की जरूरत है, ताकि किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या से बचा जा सके।

प्लास्टिक बोतल में शराब बिक्री का विरोध, व्यापारियों ने कहा- व्यापार ठप

रायपुर। राजधानी रायपुर में प्रदेशभर के शीशी (कांच) बॉटल व्यापारी एकजुट हुए हैं और अपनी मांगों को लेकर पूर्व गृह मंत्री ननकीराम कंवर की अगुवाई में मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपेंगे। पूर्व गृह मंत्री ननकीराम कंवर ने कहा है कि प्लास्टिक में शराब बेचना न तो उपभोक्ताओं के लिए उचित है और न ही व्यापारियों के हित में है। उन्होंने सरकार से इस फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की है। व्यापारियों का कहना है कि राज्य में शराब की बिक्री प्लास्टिक बोतलों में किए जाने के फैसले से उनका व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। शीशी बॉटल व्यापारी आमिन मुगल और राम प्रकाश ने बताया कि अचानक कांच की बोतलों की खरीदी बंद कर दी गई है, जिससे व्यापार ठप पड़ गया है। कंपनियों और वेंयरहाउस ने पिछले 10 दिनों से कांच की बोतलें लेना बंद कर दिया है। व्यापारियों के अनुसार, उनके पास लाखों-करोड़ों रुपये के कांच के बॉटल स्टॉक में पड़े हैं, जो अब बिक नहीं पा रहे हैं। इससे एक तरफ भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ रोजगार पर भी संकट मंडरा रहा है। यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो प्रदेश में 15 लाख से अधिक लोगों के बेरोजगार होने का खतरा पैदा हो सकता है। व्यापारियों ने कहा कि उनकी मांग है कि उनका नुकसान न हो और किसी का रोजगार न छीने। कांच की बोतलों की खरीद फिर से शुरू की जाए।

महतारी वंदना योजना से नीलम के आंगन में आई समृद्धि

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में संचालित महतारी वंदना योजना से प्रदेश में महिला सशक्तीकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसी कड़ी में आरंग विकासखंड के ग्राम नारा मंदिर हसौद की निवासी श्रीमती नीलम देवांगन की सफलता की एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आई है। श्रीमती नीलम देवांगन को योजना की जानकारी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुरजनी देवांगन द्वारा दी गई। प्रारंभ में मिलने वाली मासिक राशि भले ही कम लगी, लेकिन नीलम ने इसका उपयोग सोच-समझकर किया और इसे आत्मनिर्भरता का माध्यम बना लिया। उन्होंने सबसे पहले अपनी बेटी के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए एलआईसी की किस्त जमा करना शुरू किया, जिससे परिवार की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही नीलम ने अपने आत्मनिर्भर बनने के संकल्प को साकार करते हुए घर के एक छोटे से हिस्से में फैंसी स्टोर की शुरुआत की। दुकान के लिए आवश्यक सामग्री उन्होंने योजना से प्राप्त राशि से ही खरीदी। धीरे-धीरे उनकी दुकान गांव की महिलाओं के बीच लोकप्रिय हो गई और आज यह एक स्थायी आय का स्रोत बन चुकी है। दुकान से होने वाली आमदनी और योजना की नियमित सहायता ने नीलम के परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है। अब वे न केवल आत्मनिर्भर हैं, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा स्रोत बन गई हैं।

भटके कदमों को नई दिशा

सुकमा में पुनर्वास से विकास की कहानी लिख रही है सरकार

- मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने पुनर्वास केंद्र का किया अवलोकन, पुनर्वासितों से किया आत्मीय संवाद
- मोबाइल, आवास की चाबी और नियुक्ति पत्र का वितरण, 'पुनर्वास से विकास तक' कॉफी टेबल बुक का विमोचन

रायपुर/ संवाददाता

नक्सल आतंक से लंबे समय तक प्रभावित रहे सुकमा में अब शांति, विश्वास और विकास की नई तस्वीर उभर रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सुकमा जिला मुख्यालय स्थित पुनर्वास केंद्र का दौरा कर वहां संचालित पुनर्वास एवं कौशल विकास गतिविधियों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने पुनर्वासित लोगों से आत्मीय संवाद कर उनके अनुभव जाने और उन्हें मुख्यधारा से जुड़कर नया जीवन प्रारंभ करने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार भटके हुए लोगों को मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें सम्मानजनक जीवन, रोजगार और आगे बढ़ने के समान अवसर देने के लिए दृढ़संकल्पित है। उन्होंने कहा कि पुनर्वासितों की आंखों में दिखता आत्मविश्वास इस बात का प्रमाण है कि यदि सही अवसर और मार्गदर्शन मिले, तो हर भटका हुआ कदम नई दिशा और नया जीवन प्राप्त कर सकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार की प्रभावी नक्सल पुनर्वास नीति के चलते सुकमा सहित बस्तर क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। अब तक 2392 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का

निर्णय लिया है, जिनमें से 361 पुनर्वासितों ने नया जीवन प्रारंभ कर आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल पुनर्वास तक सीमित नहीं है, बल्कि इन नागरिकों को सम्मानजनक जीवन, स्थायी रोजगार और समाज में बराबरी का अवसर प्रदान करना है। पुनर्वास केंद्र में राजमिस्त्री, कपड़ा सिलाई, कृषि उद्यमिता और वाहन चालक जैसे विभिन्न ट्रेडों में कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 में अब तक 307 हितग्राहियों को प्रशिक्षण दिया गया है, वहीं मुख्यधारा में लौटे 313 युवाओं को प्रतिमाह 10 हजार रुपये का स्टाइपेंड भी प्रदान किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा 107 पुनर्वासित हितग्राहियों को मोबाइल फोन वितरित किए गए हैं, जिससे वे डिजिटल और संचार माध्यमों से जुड़कर आधुनिक जीवनशैली की ओर अग्रसर हो सकें। विशेष रूप से 115 महिलाएं प्रशिक्षण एवं तकनीकी सहयोग के माध्यम से आत्मनिर्भरता की नई मिसाल प्रस्तुत कर रही हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों के आश्रितों को भी राहत प्रदान करते हुए अनुकंपा नियुक्ति के तहत पुलिस विभाग में 20 तथा जिला प्रशासन द्वारा 95 लोगों को शासकीय सेवा में रोजगार के अवसर दिए गए हैं। कार्यक्रम के दौरान ग्राम ढोंडरा कोंटा निवासी मौसम संजना, नागरास जगरगुंडा निवासी भरत कुमार हेमला सहित अन्य हितग्राहियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त शिक्षा विभाग के अंतर्गत 10 नव नियुक्त शिक्षकों को भी नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने पुनर्वासित हितग्राहियों को मोबाइल, राजमिस्त्री किट, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास की चाबियां तथा पूर्णता प्रमाण पत्र वितरित किए।

मार्च में राशन से वंचित उपभोक्ताओं को 4 माह का राशन प्रदान करें सरकार : विनोद

- 3 नहीं 4 माह का चावल प्रदान कर मनाए चावल उत्सव

रायपुर। संवाददाता

पूर्व संसदीय सचिव छ.ग. शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने भाजपा सरकार द्वारा मनाए जा रहे चावल उत्सव को सस्ता प्रचार का माध्यम बताते हुए कहा कि अप्रैल माह में एकमुश्त तीन माह का चावल प्रदान करने की बात सरकार कर रही है। जबकि, महासमुंद शहर के सैकड़ों हितग्राहियों को मार्च महीने का चावल नहीं मिल पाया है। मार्च महीने में साफ्टवेयर अपडेट तथा केवायसी अपडेट के बहाने चावल वितरण प्रभावित हुआ था। ऐसे अनेक गरीब बीपीएल हितग्राही परिवार हैं, जिनके परिवार के एक या दो सदस्य के केवायसी अपडेट नहीं होने पर उनका चावल रोक दिया गया था। उसके बाद साफ्टवेयर अपडेट के नाम पर लगभग सप्ताह भर चावल वितरण बाधित कर दिया गया। जिससे महासमुंद शहर के लगभग 460 सहित महासमुंद विधानसभा के सैकड़ों गांवों के हजारों बीपीएल हितग्राहियों को मार्च का राशन नहीं मिल पाया है। श्री चंद्राकर ने कहा कि यह हाल शहर सहित पूरे जिले व प्रदेश का है। प्रदेश भर में लाखों हितग्राहियों का राशन रोका गया है। श्री चंद्राकर ने कहा कि चूंकि, अब सरकार चावल उत्सव के नाम पर अपना प्रचार-प्रसार कर रहा है। ऐसे में अप्रैल, मई व जून कुल तीन

माह का चावल देने की बात कही जा रही है। लेकिन, मार्च का राशन जिन्हें नहीं मिला उन्हें मार्च, अप्रैल, मई, जून कुल चार माह का चावल प्रदान किया जाना चाहिए। सैकड़ों गरीब परिवार हैं, जो प्रशासनिक निरंकुशता के चलते राशन से वंचित हो गए हैं। पूर्व संसदीय सचिव ने कहा कि गरीब हितग्राहियों के हक के चीजों को भी भाजपा की साय सरकार प्रचार-प्रसार का माध्यम बना रहा है। तीन माह का चावल कोई खैरात नहीं गरीबों का अधिकार है। सरकार सस्ती लोकप्रियता हासिल करने की कोशिश चावल उत्सव के नाम पर कर रही है। उन्होंने कहा कि गरीबों के हित के लिए सरकार यदि संवेदनशील हैं तो मार्च महीने में राशन से वंचित गरीब हितग्राहियों को चार माह का चावल एक साथ प्रदान करें। उन्होंने आरोप लगाया कि तीन माह का चावल देने की तैयारी करने वालों की सरकार को यह भी पता नहीं है कि अनेक राशन दुकानों में तीन माह का स्टाक नहीं हो पाया है। पहले सरकार ने केवाईसी के नाम पर राशन वितरण में बाधा डाला। हजारों उपभोक्ताओं का राशन कार्ड केवाईसी के बहाने निरस्त कर दिए गए।

अब बदली जिंदगी,बढ़ा आत्मविश्वासः श्रीमती रजनी उइके बनीं 'लखपति दीदी

- पोल्ट्री फार्म, फोटो कॉपी एवं चॉइस सेंटर से साकार हुआ आत्मनिर्भरता का सपना
- आर्थिक सशक्तिकरण से संवरता परिवार : स्वरोजगार ने दी स्थायित्व और सम्मान की नई पहचान

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावी रूप से संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण अंचलों की महिलाएं अब केवल घरेलू दायित्वों तक सीमित न रहकर स्वरोजगार की दिशा में अग्रसर हो रही हैं और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कोरबा जिले के कटघोरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बतारी की निवासी श्रीमती रजनी उइके की सफलता की कहानी इसी परिवर्तन का सशक्त उदाहरण है। श्रीमती रजनी उइके ने स्नातक (बी.ए.) तक की शिक्षा प्राप्त की है। पढ़ाई पूरी करने के बाद वे केवल गृहिणी बनकर सीमित नहीं रहना चाहती थीं, बल्कि अपने दम पर कुछ नया करने का संकल्प उनके मन में था। वर्ष 2022 उनके जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ लेकर आया, जब उन्हें बिहान योजना के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने 'जय लक्ष्मी स्व-सहायता समूह' से जुड़कर अपने सपनों को साकार करने की दिशा में कदम बढ़ाया। समूह से जुड़ने के पश्चात उन्हें विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण, मार्गदर्शन एवं आर्थिक सहयोग प्राप्त हुआ, जिससे उनका आत्मविश्वास और मनोबल बढ़ा। स्व-सहायता समूह के माध्यम से उन्हें आरएफ मद से 8 हजार रुपए एवं सीआईएफ मद से 30 हजार रुपए की सहायता प्राप्त हुई। साथ ही बैंक से 1.5 लाख रुपए का ऋण लेकर उन्होंने अपने घर में ही पोल्ट्री फार्म, फोटो कॉपी एवं चॉइस सेंटर जैसे व्यवसायों की शुरुआत की।आज श्रीमती उइके इन सभी व्यवसायों का सफलतापूर्वक संचालन कर रही हैं। उनके प्रयासों से न केवल उनकी आय में वृद्धि हुई है, बल्कि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में भी उल्लेखनीय सुधार आया है। वर्तमान में उनकी वार्षिक आय लगभग 1 लाख 10 हजार रुपए तक पहुंच चुकी है, जिससे वे 'लखपति दीदी' के रूप में पहचान बना चुकी हैं। वह बताती हैं कि पहले उनके परिवार

करोड़ों की लागत से बदल रहा पुसौर का स्वरूप-वित्त मंत्री ओपी चौधरी..

- वित्त मंत्री श्री ने पुसौर में लाइब्रेरी, पुष्पवाटिका एवं तालाब सौंदर्यीकरण कार्यों का किया निरीक्षण

रायपुर/संवाददाता

प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी.चौधरी ने पुसौर में निर्माणाधीन लाइब्रेरी भवन, पुष्पवाटिका उद्यान, चंदन तालाब सहित अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का सूक्ष्म परीक्षण करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा वित्त मंत्री श्री ने पुसौर

में लाइब्रेरी, पुष्पवाटिका एवं तालाब सौंदर्यीकरण कार्यों का किया निरीक्षण निर्माण स्थल पर जाकर प्रत्यक्ष रूप से कार्यों की स्थिति देखना, बुनियादी ढांचे का विकास कराना हम सभी की जिम्मेदारी है ह्य उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधितों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।वित्त मंत्री श्री चौधरी ने नगर पंचायत पुसौर के सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों की प्रगति का गहन मूल्यांकन किया। उन्होंने अधिकारियों से विभिन्न योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य शासन की मंशा के अनुरूप विकास कार्यों को धरातल पर प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है, ताकि आमजन को योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ मिल सके।

नाबालिग से छेड़छाड़ करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। महिला थाना में एक प्रार्थिया द्वारा अपनी 13 वर्षीय नाबालिग पुत्री के साथ पड़ोसी द्वारा छेड़छाड़ किए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। प्रार्थिया ने बताया कि दिनांक 10.04.2026 को वह अपने पति के साथ शादी निमंत्रण पर पत्थलगांव गई थी, घर पर बच्चे अकेले थे। इसी दौरान दोपहर में उसकी बेटी ने मोबाइल पर कॉल कर बताया कि पड़ोसी हेमंत कुर्रे (उम्र 26 वर्ष) छोटी लकड़ी पीड़िता को बहला-फुसलाकर खेलने के बहाने अपने घर ले गया और वहां गलत नियत से छेड़छाड़ किया।अगले दिन घर लौटकर जब प्रार्थिया एवं उसके पति ने बालिका से पूछताछ की, तब पूरी घटना सामने आई।

डीएमएफशासी परिषद की बैठक में विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा

डीएमएफसे होगा कोरबा जिला का अतिरिक्त विकास-मंत्री लखनलाल

- खनन प्रभावित क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्राथमिकता से होंगे कार्य

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग, आबकारी, सार्वजनिक उपक्रम एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य में आज कलेक्ट्रेट कोरबा सभाकक्ष में जिला खनिज संस्थान न्यास कोरबा की शासी परिषद की बैठक आयोजित हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के स्वीकृत कार्यों की प्रगति, पूर्ण कार्यों को कार्योत्तर स्वीकृति तथा आगामी वर्ष की कार्ययोजना को अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर कोरबा की सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत, कटघोरा के विधायक श्री प्रेमचंद पटेल, पाली-तानाखार विधायक श्री तुलेश्वर सिंह मरकाम, रामपुर विधायक श्री फूल सिंह राठिया, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार सिंह, महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत सहित शासी परिषद के सदस्यगण अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर एवं पदेन अध्यक्ष श्री कुणाल दुदावत ने की। पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी, वनमंडलाधिकारी श्रीमती प्रेमलता यादव, श्री कुमार निशांत, पदेन सचिव जिला पंचायत सीईओ श्री दिनेश नाग समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान डीएमएफमद से संचालित कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई। अपने उद्बोधन में मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के सहयोग और जनता की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जिले में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। अन्य योजनाओं के साथ-साथ डीएमएफमद से भी कोरबा जिले में अतिरिक्त विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज अनुमोदित कार्यों में स्कूल, आंगनबाड़ी भवन, स्वास्थ्य सेवाएँ, पेयजल आपूर्ति, सड़क निर्माण तथा पुल-पुलियों के निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं।

मंत्री ने यह भी कहा कि स्वीकृत कार्यों का समय-सीमा में पूर्ण होना आवश्यक है, ताकि आमजन को शीघ्र लाभ मिल सके। उन्होंने डीएमएफके माध्यम से पीवीटीजी समुदाय के लिए प्राथमिकता से विकास कार्य संचालित किए जाने पर संतोष व्यक्त किया। मंत्री श्री देवांगन ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वीकृत कार्यों की नियमित समीक्षा करें, निर्माण की गुणवत्ता सुनिश्चित करें तथा नए प्रस्तावों को बजट प्रावधान के अनुरूप स्वीकृति के लिए प्रस्तुत करें। मंत्री ने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से समन्वयपूर्वक कार्य कर जिले के सर्वांगीण विकास में योगदान देने की अपील की। सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत ने कहा कि डीएमएफमद से कोरबा जिले को विकास की नई पहचान मिलेगी। उन्होंने खनन प्रभावित क्षेत्र होने के कारण प्रदूषण नियंत्रण, राखड़ बांधों से उत्पन्न समस्याओं के समाधान तथा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रभावी कदम उठाने पर जोर दिया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रीष्म ऋतु के दौरान पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने, बारिश से पहले स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता तथा जर्जर स्कूल भवनों को सुधारने की आवश्यकता बताई। विधायक कटघोरा श्री प्रेमचंद पटेल ने कहा कि डीएमएफराशि से जिले में महत्वपूर्ण विकास कार्य हो रहे हैं। उन्होंने आकांक्षी जिला होने के कारण कौशल विकास, आजीविका संवर्धन, रोजगार सृजन तथा कृषि क्षेत्र में दलहन-तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने पर बल दिया। पाली-तानाखार विधायक श्री तुलेश्वर मरकाम ने डीएमएफके तहत बनाए गए निर्माण पोर्टल को जनहित में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह कंवर ने जिले में निर्माण कार्यों के मूल्यांकन के लिए इंजीनियरों की भर्ती को उपयोगी कदम बताया। महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना और जनसुविधाओं के विस्तार से आमजन को हो रहे लाभों का उल्लेख किया। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने बैठक के विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

संपादकीय

दूषित पेयजल- लापरवाही की कीमत चुकाती जनता

पीने का स्वच्छ पानी सबसे बुनियादी जरूरतों में से एक है, जिसके सुरक्षित होने के सवाल पर किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। विडंबना यह है कि देश के अनेक हिस्सों में दूषित पेयजल से उपजे जोखिम के मामले सुर्खियों में आने पर सब कुछ ठीक करने के सरकारी आश्वासन जरूर सामने आते है, लेकिन कुछ समय बाद फिर वैसी ही घटना कहीं और से सामने आ जाती है।गौरतलब है कि जयपुर के सुशीलपुरा इलाके में दूषित पेयजल से पिछले हफ्ते सैकड़ों लोग बीमार हो गए। इनमें बच्चे और बुजुर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। लोगों ने उल्टी, दस्त, पेट दर्द, जी मिचलाने और बुखार जैसे लक्षणों की शिकायत की।खबरों के मुताबिक, इलाके में सड़क बनाने के काम के दौरान पानी की भूमिगत पाइपलाइन टूट गई, जिससे पेयजल में सीवर का पानी मिल गया। ऐसा लगता है कि न तो स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति को लेकर सरकार गंभीर है, न ही विकास कार्यों के दौरान इस बात का खयाल रखना जरूरी समझा जाता है कि क्या इसकी वजह से दूसरी गंभीर समस्या पैदा हो सकती है।देश के किसी हिस्से में दूषित पेयजल की वजह से बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने की यह कोई पहली घटना नहीं है। करीब तीन महीने पहले देश के सबसे स्वच्छ माने जाने वाले शहर इंदौर में दूषित पानी पीने की वजह से कई लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों बीमार हो गए। तब यह मामला राष्ट्रीय स्तर पर चिंता का कारण बना था और इसके बाद हर ओर से पेयजल आपूर्ति को सुरक्षित बनाने की मांग उठी थी।हकीकत यह है कि आए दिन देश के किसी हिस्से से दूषित पेयजल की वजह से लोगों के बीमार होने की खबरें आती रहती हैं। सवाल है कि जिस दौर में हर घर में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराने के दावे किए जा रहे हैं, उसमें अक्सर ऐसी घटनाएं सामने क्यों आ रही हैं कि लोगों के घरों में दूषित पेयजल पहुंच रहा है।कभी सीवर का पानी पाइपलाइन में मिल जाता है, तो कभी किसी अन्य कारण से जहरीला पेयजल लोगों तक पहुंचता है। विकास कार्यों के संचालन और तालमेल की हालत यह है कि सड़क की खुदाई करते हुए इस बात को लेकर सावधानी बरतना जरूरी नहीं समझा जाता कि पेयजल की पाइपलाइन को कोई नुकसान न पहुंचे।सरकार के कामकाज में बरती गई लापरवाही की वजह से आम लोगों का जीवन बुरी तरह प्रभावित होने की किसी घटना का सबक यह होना चाहिए कि ऐसे हर कदम सख्ती से उठाए जाएं, ताकि भविष्य में वैसा फिर न हो।मगर सच यह है कि जब कोई मामला तूल पकड़ लेता है, तब सरकार जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने और पीड़ितों को मुआवजा देने की घोषणा करती है, लेकिन इसके कुछ समय बाद सब कुछ बदस्तूर चलने लगता है।सरकारी महकमों की लापरवाही और कुप्रबंधन की वजह से जब बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़ते हैं या उनकी जान जाती है, तो निचले स्तर के कुछ कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करके समस्या का हल मान लिया जाता है, जबकि इसके वास्तविक दोषी बचे रह जाते हैं।

विश्व मानचित्र पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वह संकरा जलमार्ग है, जिससे दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में एलएनजी गुजरती है। ईरान द्वारा इस जलमार्ग को प्रभावित करने का अर्थ है, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की गर्दन दबाना। फरवरी 2026 के अंत से शुरू हुए इस युद्ध ने मात्र पांच हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतों को 85 डॉलर से 110 डॉलर के पार पहुंचा दिया है। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का 40 प्रतिशत अकेले कतर से पूरा करता है। कतर के रास लाफान एलएनजी प्लांट पर हुए हमलों ने न केवल उत्पादन घटाया है बल्कि भारत के घरेलू चूल्हों तक पहुंचने वाली गैस की कीमतों में आग लगा दी है।

तेल की तलवार और कूटनीति की ढाल- पश्चिम एशिया संकट में भारत की अग्निपरीक्षा

(योगेश कुमार गोयल)

भारत की रणनीतिक स्वायत्तता आज तेल की निर्भरता के कारण परीक्षा की घड़ी में है। तेल की निर्भरता केवल आर्थिक बोझ नहीं बल्कि कूटनीतिक बेड़ियां भी है। भारत को अपने पुराने और रणनीतिक मित्र ईरान का साथ छोड़कर इजरायल और अमेरिकी समर्थित खाड़ी देशों के पाले में खड़े होने पर मजबूर होना पड़ा है।

दशकों पहले युद्ध केवल सीमाओं पर जमीन के टुकड़ों के लिए लड़े जाते थे लेकिन 2026 का यह दौर गवाह है कि आधुनिक युद्ध 'संप्रभुता' से ज्यादा 'संसाधनों' का है। युद्ध की गोलियां, मिसाइलें अब ऊर्जा की पाइपलाइनों और तेल के टैंकरों पर चलती है। पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच छिड़ा यह त्रिकोणीय संघर्ष भी महज जमीन का विवाद नहीं है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा 'ऊर्जा आपूर्ति' पर नियंत्रण की जंग है। भारत के लिए यह संकट केवल पैट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती है, जिसने देश के सामने एक अदृश्य 'ऊर्जा लॉकडाउन' का खतरा पैदा कर दिया है। जब संसद में प्रधानमंत्री ने इस संकट की तुलना 'कोरोना काल' की विभीषिका से की तो उनका आशय घर में बंद होने से नहीं बल्कि उस वैश्विक अनिश्चितता से था, जो किसी भी क्षण भारत की विकास दर के पहियों को जाम कर सकती है। यदि 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' पर ताला लगता है तो भारत की रगों में दौड़ने वाला 60 प्रतिशत तेल और एलएनजी का प्रवाह थम जाएगा, जो देश को एक भयावह 'ऊर्जा लॉकडाउन' की ओर धकेल सकता है।

होर्मुज की घेराबंदी – विश्व मानचित्र पर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वह संकरा जलमार्ग है, जिससे दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत कच्चा तेल और भारी मात्रा में एलएनजी गुजरती है। ईरान द्वारा इस जलमार्ग को प्रभावित करने का अर्थ है, वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की गर्दन दबाना। फरवरी 2026 के अंत से शुरू हुए इस युद्ध ने मात्र पांच हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतों को 85 डॉलर से 110 डॉलर के पार पहुंचा दिया है। भारत अपनी एलपीजी जरूरतों का 40 प्रतिशत अकेले कतर से पूरा करता है। कतर के रास लाफान एलएनजी प्लांट पर हुए हमलों ने न केवल उत्पादन घटाया है बल्कि भारत के घरेलू चूल्हों तक पहुंचने वाली गैस की कीमतों में आग लगा दी है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर से उछलकर 110 डॉलर प्रति बैरल को छू रही हैं। भारत के लिए गणित सीधा और क्रूर है, कच्चे तेल में 10 डॉलर की हर बढ़ोतरी हमारे चालू खाता घाटे में लगभग 12-15 अरब डॉलर की वृद्धि करती है। यह स्थिति हमें दो टूक शब्दों में चेतावनी दे रही है कि पराई बैसाखियों पर टिकी ऊर्जा सुरक्षा कभी भी धराशायी हो सकती है।

सामरिक पैट्रोलियम भंडार-क्या पर्याप्त है चंद दिनों की सुरक्षा? – ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर भारत की सबसे बड़ी कमजोरी उसका सीमित सामरिक पैट्रोलियम भंडार है। दुनिया के विकसित देश जैसे अमेरिका, जापान और चीन अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए 90 दिनों का 'स्ट्रैटिजिक पैट्रोलियम रिजर्व' रखते हैं, वहीं भारत की स्थिति चिंताजनक है। वर्तमान में हमारे पास विशाखापट्टनम, मंगलुरु और पादुर में कुल 53.3 लाख टन का भंडार है, जो मुश्किल से 9 दिन की आपूर्ति कर सकता है। हालांकि दूसरे चरण में चंडीखोल और बीकानेर

जैसे स्थानों पर भंडार क्षमता बढ़ाकर इसे 60-65 दिनों तक ले जाने की योजना है लेकिन इसकी गति 'युद्धस्तर' पर नहीं है। हमारे मौजूदा भंडार का करीब 36 प्रतिशत हिस्सा खाली पड़ा है। एक तरफ हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का स्वप्न देख रहे हैं और दूसरी तरफ हमारी ऊर्जा की 'लाइफलाइन' केवल कुछ दिनों के स्टॉक पर टिकी है। यदि आज हमारे पास 90 दिनों का सुरक्षित भंडार होता तो भारत को अपनी विदेश नीति में तटस्थता का नाटक नहीं करना पड़ता बल्कि वह एक सशक्त वैश्विक खिलाड़ी की तरह अपना पक्ष रख सकता था। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य 30 दिनों के लिए बंद हो जाता है और भारत के लिए आपूर्ति बाधित होती है तो भारत की अर्थव्यवस्था 'वेंटिलेटर' पर आ जाएगी। इसलिए चंडीखोल और बीकानेर में प्रस्तावित दूसरे चरण के भंडारों का निर्माण युद्धस्तर पर होना अब विकल्प नहीं, अनिवार्यता है।

कूटनीतिक विवशता और स्वतंत्र विदेश नीति का संकट – भारत की रणनीतिक स्वायत्तता आज तेल की निर्भरता के कारण परीक्षा की घड़ी में है। तेल की निर्भरता केवल आर्थिक बोझ नहीं बल्कि कूटनीतिक बेड़ियां भी है। भारत को अपने पुराने और रणनीतिक मित्र ईरान का साथ छोड़कर इजरायल और अमेरिकी समर्थित खाड़ी देशों के पाले में खड़े होने पर मजबूर होना पड़ा है। यह बदलाव केवल नीतिगत नहीं बल्कि विवशतापूर्ण है। खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा और वहां से आने वाला 'रेमिटेंस' भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसलिए खाड़ी देशों में रहने वाले 90 लाख भारतीय प्रवासियों के हितों और तेल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ही भारत को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति से समझौता करना पड़ रहा है। जब तक हम ऊर्जा के लिए आयात पर 85 प्रतिशत निर्भर रहेंगे, तब तक हमारी विदेश नीति की चाबी विदेशी राजधानियों के हाथों में रहेगी और वाशिंगटन या तेहरान में होने वाली हर हलचल नई दिल्ली के माथे पर चिंता की लकीरें खींचती रहेगी। यह युद्ध हमें सिखाता है कि सच्ची संप्रभुता केवल सीमाओं की रक्षा में नहीं बल्कि ऊर्जा की आत्मनिर्भरता में निहित है।

अफवाहों का बाजार और सरकारी डैमेज कंट्रोल – युद्ध के बीच भारत में लॉकडाउन की अफवाहों ने पैनिक पैदा किया था। हालांकि, तीन मंत्रियों निर्मला सीतारमण, किरेन रिजिजू और हरदीप पुरी ने स्पष्ट किया कि देश सुरक्षित है। सरकार की ओर से दावा किया जा रहा है कि भारत के पास तेल और गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विविधीकृत स्रोत हैं और पैनिक की कोई आवश्यकता नहीं है लेकिन सतर्कता और ऊर्जा संरक्षण हमारा सामूहिक धर्म है। सरकार का यह स्पष्टीकरण अल्पकालिक राहत तो देता है लेकिन एक दीर्घकालिक प्रश्न भी छोड़ता है कि क्या हम हर संकट के समय केवल डैमेज कंट्रोल ही करते रहेंगे या भविष्य की नींव रखेंगे?

बिजली खपत का बदलता स्वरूप – भारतीय अर्थव्यवस्था में बिजली का 42 प्रतिशत हिस्सा उद्योगों में और 17 प्रतिशत कृषि में उपयोग होता है। जैसे-जैसे शहरीकरण बढ़ रहा है, कार्यालयों और दुकानों (वाणिज्यिक क्षेत्र) में बिजली की मांग बढ़ेगी। हमें कोयला आधारित बिजली (जो अभी भी हमारी रीढ़ है) से हटकर परमाणु, सौर और पवन ऊर्जा की ओर तीव्र गति से मुड़ना होगा। सालाना 143 अरब डॉलर (2025 के आंकड़े) का तेल आयात एक ऐसा घाव है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को भीतर ही भीतर खोखला कर रहा है। सूर्य और पवन के रूप में भारत के पास असीमित प्राकृतिक संसाधन हैं लेकिन उन्हें 'ऊर्जा' में बदलने की इच्छाशक्ति और निवेश की गति अभी भी मंथर है।

भविष्य का रोडमैप- ऊर्जा सुरक्षा ही राष्ट्रीय सुरक्षा – ईरान-इजरायल युद्ध ने भारत के लिए एक कठोर चेतावनी प्रस्तुत की है। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य बाधित होता है तो यह केवल क्षेत्रीय संकट नहीं रहेगा बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए 'आर्थिक प्रलय' का कारण बन सकता है। उर्वरक, ईंधन, सेमीकंडक्टर, हर आपूर्ति श्रृंखला पर इसका गहरा प्रभाव पड़ेगा। ऐसे में भारत को त्वरित, ठोस और दूरदर्शी कदम उठाने होंगे। सबसे पहले, रणनीतिक भंडार का सुदृढ़ीकरण अनिवार्य है। अगले 24 महीनों में कम से कम 90 दिनों का तेल और गैस रिजर्व तैयार करना राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए ताकि किसी भी वैश्विक व्यवधान के समय देश की ऊर्जा आवश्यकताएं प्रभावित न हों। दूसरा, ऊर्जा विविधीकरण पर आक्रामक रणनीति अपनानी होगी। रूस, मध्य एशिया और अफ्रीका जैसे क्षेत्रों के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति समझौते, पाइपलाइन परियोजनाएं और वैकल्पिक व्यापार मार्ग विकसित करना समय की मांग है। तीसरा, परमाणु ऊर्जा, सौर शक्ति और ग्रीन हाइड्रोजन में निवेश को युद्ध स्तर पर बढ़ाना होगा। ये केवल स्वच्छ ऊर्जा के स्रोत नहीं बल्कि स्थायी ऊर्जा सुरक्षा के स्तंभ हैं। अंततः, यह स्पष्ट है कि वैश्विक शांति हमारे नियंत्रण में नहीं परंतु अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना पूरी तरह हमारे हाथ में है। आत्मनिर्भरता अब केवल नारा नहीं बल्कि अस्तित्व की शर्त बन चुकी है। यदि हम आज निर्णायक कदम नहीं उठाते तो भविष्य का अंधकार हमारी ही निष्क्रियता का परिणाम होगा।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

स्वास्थ्य का विज्ञान, समानता का आधार

(योगेश कुमार गोयल)

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी।

दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और वैश्विक स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने के उद्देश्य के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहें, विज्ञान के साथ खड़े रहें' विषय के साथ 76वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2025 का विषय था 'स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य', 2024 में यह दिवस 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 में 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाईयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्य-हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। इस वर्ष का विषय न केवल वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने का आह्वान करता है बल्कि भ्रामक सूचनाओं के इस दौर में वैज्ञानिक प्रमाणों पर जन-विश्वास को पुनर्स्थापित करने और साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से मानवता की रक्षा करने पर केंद्रित है।

'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन् 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे।

भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके। दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही मानव-स्वास्थ्य की परिभाषा है। यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं, जिसमें काफी असमानताएं हैं, जो सबसे वंचित परिस्थितियों में लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हालांकि स्वास्थ्य का अधिकार एक ऐसा मौलिक मानवाधिकार है, जिसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को बगैर किसी वित्तीय बोझ के, जब भी जरूरत हो, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच मिलनी चाहिए।

वैज्ञानिक उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तकनीक और विज्ञान तभी वास्तविक रूप से सफल माने जाएंगे, जब वे एक गरीब की झोपड़ी तक सुलभ और वहनीय हों। जल जनित रोग, टाइफाइड और कुपोषण जैसी बीमारियां अभी भी हमारे समाज के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई हैं, जो सीधे तौर पर स्वच्छता, शुद्ध पेयजल और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन की कमी को दर्शाती हैं। स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को सार्वभौमिक बनाने के लिए विज्ञान के साथ अडिग खड़ा होना और साक्ष्य-आधारित मार्गदर्शन को पूरी निष्ठा से अपनाना ही वह एकमात्र मार्ग है, जो हमें एक स्वस्थ भारत और समृद्ध विश्व की ओर ले जाएगा। आज आवश्यकता केवल उपचार की नहीं बल्कि वैज्ञानिक सोच को अपनी दिनचर्या और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने की है।(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक- भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)

युद्ध के बावजूद ईरान की हवा साफ, मगर शांति के बावजूद दिल्ली, मुंबई में एक्यूआई खतरनाक स्तर पर

यह स्थिति तब है जब तेहरान और आसपास के क्षेत्रों में तेल भंडार और ऊर्जा ढांचे पर हमलों के कारण धुएं और जहरीली गैसों की आशंका बनी हुई है। सोशल मीडिया पर आठ मार्च की रात तेहरान के ऊपर काले धुएं के घने बादल दिखने के दृश्य सामने आए थे। यहां तक कि कुछ इलाकों में काली वर्षा की भी खबरें आईं, जो तेल भंडार में लगी आग और रासायनिक धुएं का परिणाम मानी जा रही हैं। लोगों ने गले में जलन और आंखों में खुजली की शिकायत की, और प्रशासन ने नागरिकों को घर के भीतर रहने की सलाह दी।

(नीरज कुमार दुबे)

11 मार्च 2026 को भारतीय समयानुसार शाम चार बजे वायु गुणवत्ता मंच एक्यूआई डाट इन के आंकड़ों के अनुसार तेहरान का एक्यूआई लगभग 33 दर्ज किया गया, जबकि उसी समय दिल्ली का एक्यूआई 63 था। दिन के दौरान भी स्थिति इसी तरह रही।

पश्चिम एशिया इस समय युद्ध की आग में झुलस रहा है। लेबनान, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और इजराइल के कई इलाकों में मिसाइल हमले और बमबारी जारी है। कई शहरों के ऊपर तेल और धुएं के काले गुबार उठते दिखाई दे रहे हैं। इसके बावजूद एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि इन युद्ध प्रभावित इलाकों की हवा भारत के कई प्रमुख शहरों से कहीं ज्यादा साफ है। वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई के आंकड़े बताते हैं कि युद्ध क्षेत्र में भी हवा का स्तर दिल्ली और मुंबई जैसे भारतीय महानगरों से बेहतर बना हुआ है।

11 मार्च 2026 को भारतीय समयानुसार शाम चार बजे वायु गुणवत्ता मंच एक्यूआई डाट इन के आंकड़ों के अनुसार तेहरान का एक्यूआई लगभग 33 दर्ज किया गया, जबकि उसी समय दिल्ली का एक्यूआई 63 था। दिन के दौरान भी स्थिति इसी तरह रही। दोपहर बारह बजे तेहरान का अधिकतम एक्यूआई 47 रहा, जो अच्छे स्तर में आता है। इसके विपरीत दिल्ली में सुबह आठ बजे एक्यूआई 323 तक पहुंच गया, जो अत्यंत खराब श्रेणी में आता है।

यह स्थिति तब है जब तेहरान और आसपास के क्षेत्रों में तेल भंडार और ऊर्जा ढांचे पर हमलों के कारण धुएं और जहरीली गैसों की आशंका बनी हुई है। सोशल मीडिया पर आठ मार्च की रात तेहरान के ऊपर काले धुएं के घने बादल दिखने के दृश्य सामने आए थे। यहां तक कि कुछ इलाकों में काली वर्षा की भी खबरें आईं, जो तेल भंडार में लगी आग और रासायनिक धुएं का परिणाम मानी जा रही हैं। लोगों ने गले में जलन और आंखों में खुजली की शिकायत की, और प्रशासन ने नागरिकों को घर के भीतर रहने की सलाह दी।

इसके बावजूद वास्तविक समय के आंकड़े बताते हैं कि तेहरान में एक्यूआई अधिकतर समय शून्य से पचास के बीच यानी स्वस्थ श्रेणी में बना रहा। यह तथ्य भारतीय शहरों की वायु गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करता है क्योंकि भारत के कई महानगरों में वायु प्रदूषण लगातार खराब, बहुत खराब या गंभीर श्रेणी में रहता है।

विशेषज्ञों के अनुसार भारत में प्रदूषण की समस्या मुख्य

रूप से स्थानीय कारणों से पैदा होती है। सबसे बड़ा कारण वाहनों से निकलने वाला धुआं है। तेजी से बढ़ती निजी गाड़ियों की संख्या नाइट्रोजन ऑक्साइड और सूक्ष्म कणों को बढ़ाती है। यही वजह है कि दिल्ली के साथ-साथ बेंगलुरु, हैदराबाद और लखनऊ जैसे शहर भी समय समय पर खराब हवा से जूझते रहते हैं।

इसके अलावा निर्माण कार्य से उठने वाली धूल, उद्योगों और बिजली संयंत्रों से निकलने वाले धुएं तथा ईंट भट्ठों से उत्सर्जित गैसें भी प्रदूषण को बढ़ाती हैं। डीजल जनरेटर से निकलने वाला धुआं और सड़कों की धूल इस समस्या को और गंभीर बनाते हैं। ग्रामीण इलाकों में खाना पकाने के लिए लकड़ी, गोबर और जैव ईंधन जलाने से भी हवा में प्रदूषण बढ़ता है।

उत्तर भारत में एक और महत्वपूर्ण कारण खेतों में पराली जलाना है। पड़ोसी राज्यों में पराली जलने से धुआं बड़ी मात्रा में दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तक पहुंचता है और सर्दियों में प्रदूषण की स्थिति बेहद खराब कर देता है।

भौगोलिक स्थिति भी दिल्ली में प्रदूषण बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाती है। दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एक तरह के निचले बेसिन में स्थित है। इसके उत्तर में हिमालय, दक्षिण पश्चिम में अरावली पर्वतमाला और दक्षिण में प्रायद्वीपीय पठार हैं। इस कारण प्रदूषक तत्व यहां फंस जाते हैं और आसानी से बाहर नहीं निकल पाते। साथ ही उत्तर पश्चिम से बलूचिस्तान और थार मरुस्थल की ओर से आने वाली धूल भी प्रदूषण को बढ़ाती है।

इसके विपरीत तेहरान, तेल अवीव, बेरूत और दुबई जैसे कई पश्चिम एशियाई शहर समुद्र के नजदीक स्थित हैं या ऐसे क्षेत्रों में हैं जहां हवाएं प्रदूषकों को तेजी से फैलाकर साफ कर देती हैं। समुद्र के किनारे होने के कारण हवा का प्रवाह बेहतर रहता है और प्रदूषण का जमाव कम होता है।

वहीं मुंबई समुद्र किनारे होने के बावजूद प्रदूषण से जूझता है। विशेषज्ञों के अनुसार इसका मुख्य कारण स्थानीय स्रोत हैं, खासकर वाहनों की अत्यधिक संख्या। मुंबई में वाहनों का घनत्व कई शहरों की तुलना में कई गुना ज्यादा है, इसलिए यहां प्रदूषण का स्तर भी ऊंचा बना रहता है।

इसके अलावा, युद्ध से होने वाला प्रदूषण भी एक अलग प्रकृति का होता है। बमबारी या आग लगने से भारी मात्रा में धुआं और जहरीली गैसें निकलती हैं, लेकिन यह प्रदूषण अक्सर अस्थायी होता है। जब आग बुझ जाती है या घटना समाप्त हो जाती है तो उस स्रोत से निकलने वाला प्रदूषण भी रुक जाता है। इसके विपरीत वाहनों, उद्योगों और निर्माण कार्य से निकलने वाला धुआं लगातार हवा में जाता रहता है, जिससे लंबे समय तक प्रदूषण बना रहता है।

हम आपको यह भी बता दें कि दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हाल के दिनों में दिखाई दी गई स्मॉग को लेकर भी कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं कि यह ईरान में तेल रिफाइनरी पर हमलों से जुड़ी हो सकती है। हालांकि मौसम विशेषज्ञों ने इसे खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह स्मॉग दरअसल पश्चिमी हवाओं के साथ आई मरुस्थलीय धूल का परिणाम है।

देखा जाये तो वायु प्रदूषण का स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ता है। लंबे समय तक प्रदूषित हवा में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, हृदय रोग और स्ट्रोक जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। बच्चों के फेफड़ों के विकास पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ता है और फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। एक हालिया वैश्विक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2022 में भारत में लगभग सत्रह लाख अठारह हजार लोगों की मौत वायु प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों के कारण हुई।

युद्ध क्षेत्र में उठने वाला धुआं भले ही डरावना दिखाई दे, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार भारत के शहरों में फैला स्थायी प्रदूषण कहीं ज्यादा खतरनाक है। यह धीरे धीरे लोगों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है और एक तरह से अदृश्य हत्यारा बन जाता है।

बहरहाल, इस पूरी स्थिति से एक स्पष्ट संदेश मिलता है कि भारत में प्रदूषण से निपटने के लिए वाहनों के उत्सर्जन, उद्योगों के धुएं, निर्माण धूल और पराली जलाने जैसी समस्याओं पर सख्त नियंत्रण जरूरी है। जब तक इन स्रोतों को प्रभावी तरीके से नियंत्रित नहीं किया जाएगा, तब तक देश के शहरों में स्वच्छ हवा का सपना अधूरा ही रहेगा।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सुकमा में विकास और विश्वास की नई शुरुआत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दी 308 करोड़ की सौगात

सुकमा। विष्णु देव साय का 13 अप्रैल को सुकमा दौरा जिले के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ। नक्सल उन्मूलन की दिशा में तय डेडलाइन के बाद यह उनका पहला दौरा रहा, जिसमें उन्होंने एक ओर जहां 308 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया, वहीं दूसरी ओर पुनर्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को भी मजबूती से सामने रखा। मुख्यमंत्री ने सुकमा से स्वस्थ बस्तर अभियान का शुभारंभ किया और अटल आरोग्य लैब की शुरुआत कर स्वास्थ्य सुविधाओं को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि अब बस्तर विकास के नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां शांति और प्रगति साथ-साथ आगे बढ़ेंगी।

पुनर्वास से विकास की ओर बढ़ता सुकमा – दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने जिला अस्पताल के समीप संचालित पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया और वहां रह रहे पुनर्वासित लोगों से सीधे संवाद कर उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने पुनर्वास से विकास तक कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि नक्सल पुनर्वास नीति के प्रभावी क्रियान्वयन से सुकमा में सकारात्मक बदलाव आया है– अब तक 2392 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। 361 पुनर्वासित नया जीवन शुरू कर चुके हैं।

वर्ष 2026 में 307 लोगों को प्रशिक्षण दिया गया। 313 युवाओं को 10,000 रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड मिल रहा है। पुनर्वास केंद्र में राजमिस्त्री, सिलाई, कृषि और वाहन चालक जैसे विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण देकर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है।

हितग्राहियों को मिला सीधा लाभ : कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने पुनर्वासितों और प्रभावित परिवारों को कई लाभ वितरित किए – मोबाइल फोन वितरण (107 हितग्राही), नियुक्ति पत्र (पुलिस व अन्य विभागों में) राजमिस्त्री किट और प्रशिक्षण सामग्री 10 नव शिक्षकों को नियुक्ति पत्र, अनुकंपा नियुक्ति के तहत पुलिस विभाग में 20 और जिला प्रशासन में 95 लोगों को रोजगार मिला।

आवास और आत्मनिर्भरता की पहल : प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सुकमा में पुनर्वासित परिवारों को विशेष लाभ दिया जा रहा है– 1775 आवास स्वीकृत, 44 पूर्ण।

कार्यक्रम में 25 हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपी गई। इसके साथ ही स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने छोटे व्यवसायों के जरिए आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की।

मुख्यमंत्री का संदेश : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि पुनर्वासित लोगों को सम्मानजनक जीवन, रोजगार और समाज में समान अवसर मिले। उन्होंने विश्वास जताया कि सुकमा जैसे क्षेत्रों में अब बंदूक की जगह विकास और विश्वास की धारा बहेगी।

सुरेश चौहान हत्याकांड स्कूटर पर खून के छींटे सीसीटीवी से खुला राज; भाई का बड़ा खुलासा

कोण्डागांव। नगर के प्रतिष्ठित टेंट व्यवसायी एवं शिरोमणि टेंट हाउस के संचालक सुरेश चौहान की हत्या के मामले में नया खुलासा सामने आया है। मृतक के बड़े भाई महेश चौहान ने बताया कि सुरेश शनिवार रात करीब 8:30 बजे घर से निकले थे, जिसके बाद वे वापस नहीं लौटे।

परिजनों के अनुसार, पूरी रात और रविवार सुबह तक उनकी तलाश जारी रही। इसी दौरान सूचना मिली कि विकास नगर स्टेडियम के पीछे सुरेश चौहान का स्कूटर खड़ा है। मौके पर पहुंचने पर स्कूटर पर खून के छींटे मिले, जबकि उनका पर्स स्टेडियम गेट के पास कुछ दूरी पर पड़ा मिला।

घटनास्थल की स्थिति देखकर परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। इसके बाद महेश चौहान ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज के आधार पर संदेह सुरेश देवांगन नाम के युवक पर गया, जिसकी जानकारी पुलिस को दी गई। बताया गया कि महेश चौहान पहले ही गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा चुके थे। पुलिस ने संदेह के आधार पर सुरेश देवांगन को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान उसकी निशानदेही पर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पीछे से सुरेश चौहान का शव बरामद किया गया।

मृतक के भाई ने आशंका जताई है कि हत्या रुपयों के लालच में की गई हो सकती है। उनका कहना है कि सुरेश अपने पास नकद राशि रखते थे और सोने की तीन अंगूठियां पहनते थे, जिनमें से दो अंगूठियां गायब हैं। साथ ही पर्स का घटनास्थल से दूर मिलना लूट की आशंका को और मजबूत करता है।

महेश चौहान ने यह भी आशंका जताई कि इस वारदात में एक से अधिक लोगों की संलिप्तता हो सकती है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और जल्द ही प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से पूरे घटनाक्रम का खुलासा करने की बात कही जा रही है।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत् गुम इंसान को दस्तयाब कर परिजनों को किया सुपुर्द

कोण्डागांव। प्रार्थी रतनलाल मरकाम पिता अगनुराम मरकाम निवासी सोहंगा थाना माकड़ी ने 6 अप्रैल 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसकी पुत्री पिंकी मरकाम पिता रतनलाल मरकाम निवासी सोहंगा जो कि घर से 31 मार्च 2026 को घर में किसी को बिना बताये कही चली गई है कि रिपोर्ट पर थाना माकड़ी में गुम इंसान क्रमांक 03/2026 6 अप्रैल 2026 पंजीबद्ध कर जांच पता तलाश में लिया गया था। जांच पता तलाश दौरान पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव त्रिलोक बंसल के निर्देशानुसार, अति0 पुलिस अधीक्षक कपिल चन्द्रा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कोण्डागांवरूपेश कुमार के मार्गदर्शन में ऑपरेशन मुस्कान के तहत थाना प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेन्द्रसिंह चौहान के नेतृत्व में टीम गठित कर गुम इंसान का लगातार पता तलाश किया जा रहा था। पता तलाश दौरान गुम इंसान पिंकी मरकाम को 10 अप्रैल को कोंडागांव बाजार पारा में दस्तयाब कर थाना लाकर उसके परिजन को सुपुर्दनामा पर दिया गया है।

डीएमएफ से होगा कोरबा जिला का अतिरिक्त विकास : लखनलाल देवांगन

कोरबा। छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग, आबकारी, सार्वजनिक उपक्रम एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य में कलेक्ट्रेट कोरबा सभाकक्ष में जिला खनिज संस्थान न्यास कोरबा की शासी परिषद की बैठक आयोजित हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के स्वीकृत कार्यों की प्रगति, पूर्ण कार्यों की कार्योत्तर स्वीकृति तथा आगामी वर्ष की कार्ययोजना को अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर कोरबा की सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत, कटघोरा के विधायक प्रेमचंद पटेल, पाली-तानाखार विधायक तुलेश्वर सिंह मरकाम, रामपुर विधायक फूल सिंह राठिया, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार सिंह, महापौर संजू देवी राजपूत सहित शासी परिषद के सदस्यगण अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर एवं पदेन अध्यक्ष कुणाल दुदावत ने की। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, वनमंडलाधिकारी प्रेमलता यादव, कुमार निशांत, पदेन सचिव जिला पंचायत सीईओ दिनेश नाग समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान डीएमएफ मद से संचालित कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई। अपने उद्बोधन में मंत्री देवांगन ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के सहयोग और जनता की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जिले में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। अन्य योजनाओं के साथ-साथ डीएमएफ मद से भी कोरबा जिले में अतिरिक्त विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज अनुमोदित कार्यों में स्कूल, आंगनबाड़ी भवन, स्वास्थ्य सेवाएँ, पेयजल आपूर्ति, सड़क निर्माण तथा पुल-पुलियों के निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं।

इनोवेशन महाकुंभ 1.0 के पोस्टर का विमोचन

बीजापुर। बस्तर विश्वविद्यालय में आगामी 4 एवं 5 मई को आयोजित होने वाले इनोवेशन महाकुंभ 1.0 के पोस्टर विमोचन बीजापुर कलेक्टर संबित मिश्रा और पुलिस अधीक्षक डॉ जितेंद्र यादव ने किया एवं युवाओ से इस आयोजन में अधिक से अधिक सहभागिता का अपील की। इस गरिमामय अवसर पर डॉ सुमीत दास संभागीय स्वावलंबन केंद्र प्रमुख,अशोक राव,हरिहर साहनी,हितेश साहनी,आदीप शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इनोवेशन महाकुंभ कार्यक्रम को लेकर भाजपा जिला महामंत्री फूलचंद गागड़ा ने कहा यह भव्य आयोजन नवाचार, उद्यमिता एवं आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, और यह कार्यक्रम निरंतर सफलता की ओर अग्रसर है। क्षेत्र के आदिवासी युवा इस कार्यक्रम में भाग ले और कोई नया प्रत्यय हो ऐसे युवाओं को सहयोग और मार्गदर्शन मिलेगा।

प्रदेश में कानून नहीं, जंगलराज चल रहा : दीपक बैज

रायपुर। पूरे प्रदेश में भाजपा की सरकार में जंगलराज चल रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि अपराध का डर, भय खत्म हो गया है। भैरमगढ़ की घटना जिसमें एक नबालिक के साथ सामूहिक दुष्कर्म चिंता का विषय है। इस तरह की घटनाये पूरी प्रदेश में घट रही है। तीन दिन पहले दुर्ग में पांच साल की बच्ची से रेप, अंबिकापुर अधेड़ महिला के साथ रेप और रायपुर में झाड़ी में छुपकर रात काटना पड़ रहा है। भाजपा के कांकेर जिला उपाध्यक्ष पर दुष्कर्म और यौन शोषण का आरोप लगे लगभग 1 महिने हो रहे है, अब तक एफआईआर नहीं लिखी गई, उल्टे पीड़िता पर अनुचित दबाव बनाया जा रहा है। प्रदेश रेप, चाकूबाजी, चोरी, डकैती चरम सीमा पर है। ऐसा लग रहा छत्तीसगढ़ में सरकार कही भी नही है और छत्तीसगढ़ भगवान भरोसे चल रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राजधानी में लगातार चाकूबाजी की घटनाएं हो रही है। सरकार और पुलिस आपराधिक घटनाओं को रोक पाने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। डीएसपी की बेटी, आदिवासी संस्कृति पर कंटेंट बनाने वाली, एक आदिवासी छात्रा निवेदिता मांडवी को सोशल मीडिया पर गैंगरेप की धमकी मिल रही हैं। आदिवासी मुख्यमंत्री के राज में गुंडे, मवालियों के हौसले इतने बुलंद है कि आदिवासी बेटियां सुरक्षित नहीं है। पुलिस में शिकायत के बावजूद, पुलिस अधिकारी की बेटी के रिपोर्ट पर ही कार्यवाही में देरी हो रही है, क्या यही कानून का राज है? प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भैरमगढ़ की घटना में भाजपा का प्रमुख नेता और कार्यकर्ता शामिल है। पूरे प्रदेश में हर घटना भाजपा का नेता और कार्यकर्ता शामिल रहते है। अफीम की खेती में भाजपा के नेता, बलरामपुर हत्या में भाजपा के नेता, भैरमगढ़ में भाजपा के नेता और प्रदेश के 50 प्रतिशत घटनाओं में भाजपा के नेता और कार्यकर्ता शामिल है। प्रदेश में कानून व्यवस्था बची कहा है? प्रदेश में सत्तारूढ़ दल के संरक्षण में इस तरह की अपराधिक घटनाये घट रही है तो यह चिंता का विषय है।

करोड़ों की लागत से बदल रहा पुसौर का स्वरूप : वित्त मंत्री चौधरी

रायपुर। प्रदेश के वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी.चौधरी ने पुसौर में निर्माणाधीन लाइब्रेरी भवन, पुष्पवाटिका उद्यान, चंदन तालाब सहित अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का सूक्ष्म परीक्षण करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा निर्माण स्थल पर जाकर प्रत्यक्ष रूप से कार्यों की स्थिति देखना, बुनियादी ढांचे का विकास कराना हम सभी की जिम्मेदारी है द्य उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधितों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वित्त मंत्री चौधरी ने नगर पंचायत पुसौर के सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों की प्रगति का गहन मूल्यांकन किया। उन्होंने अधिकारियों से विभिन्न योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य शासन की मंशा के अनुरूप विकास कार्यों को धरातल पर प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है, ताकि आमजन को योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ मिल सके। बैठक में उन्होंने अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर देते हुए कहा कि सभी के संयुक्त प्रयासों से ही क्षेत्र का समग्र एवं संतुलित विकास संभव है। साथ ही उन्होंने पार्षदों एवं जनप्रतिनिधियों से सकारात्मक सहयोग प्रदान करने तथा विकास कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की। उल्लेखनीय है कि नगर पंचायत पुसौर में पुष्पवाटिका उद्यान निर्माण हेतु लगभग 2 करोड़ 92 लाख 40 हजार रुपये, बोरोडीपा चौक से कॉलेज तक बी.टी. रोड एवं नाली निर्माण के लिए 4 करोड़ 8 लाख रुपये, चंदन तालाब के सौंदर्यकरण के लिए 2 करोड़ 10 लाख 40 हजार रुपये तथा लाइब्रेरी भवन निर्माण के लिए लगभग 99.12 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसके अतिरिक्त तेलीतार तालाब के गहरीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्य भी प्रगति पर है, जिससे क्षेत्र की सौंदर्य वृद्धि के साथ जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर नगर पंचायत पुसौर के अध्यक्ष मानी मोहित सतपथी, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी, अपर कलेक्टर अपूर्व प्रियेश टोप्पो, एसडीएम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं नगर पंचायत पुसौर के जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति थे।

थाना माकड़ी पुलिस ने किया छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्यवाही

कोण्डागांव । पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव त्रिलोक बंसल के निर्देशानुसार, अति. पुलिस अधीक्षक कपिल चन्द्रा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कोण्डागांवरूपेश कुमार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेन्द्रसिंह चौहान के नेतृत्व में टीम गठित कर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध लगातार अभियान चलाकर लघुअधिनियम के तहत कार्यवाही की जा रही है, इसी तारतम्य में 11 अप्रैल मुखबिर सूचना प्राप्त हुई थी की ग्राम लुभा मेला स्थल के पीछे कुछ व्यक्ति खुडखुडिया नामक जुआ खेला रहे है कि सूचना पर मौके पर पहुंच कर घेराबंदी कर दबिश दी गई जुआ खेलाने वाले एक व्यक्ति जिसका नाम रामचन्द्र नेताम पिता स्व. कारियाराम नेताम निवासी तितना सड़कपारा थाना माकड़ी, जिला-कोण्डागांव (छ.ग.) को हिरासत में लेकर आरोपी के विरूद्ध छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3 (2) के तहत वैधानिक कार्यवाही किया गया।

बिजली कटौती से परेशान किसानों ने घेरा बिजली विभाग का कार्यालय, सौंपा ज्ञापन

कोण्डागांव। गर्मी के मौसम में पावर कट की समस्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, जिससे सबसे अधिक परेशानी ग्रामीण क्षेत्र के किसानों को हो रही है। अपनी समस्या के निजात के लिए किसान विद्युत विभाग के कार्यालय पहुंचकर अपना आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं। सोमवार सुबह दहीकोंगा क्षेत्र के ग्रामीणों ने बिजली कटौती से नाराज होकर दहीकोंगा वितरण केंद्र कार्यालय का घेराव किया, जिसके बाद समस्या के निदान के लिए अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया। इससे पूर्व बड़ेबेंदरी गांव के ग्रामीणों ने भी कोण्डागांव के विद्युत कार्यालय का घेराव कर ज्ञापन सौंपा था। दहीकोंगा के आक्रोशित ग्रामीणों ने ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि, क्षेत्र में विद्युत विभाग द्वारा पूर्व घोषणा के अनुसार 4 घंटे का शेड्यूल तय कर पावर कट किया जा रहा है। इसके बावजूद विभाग इन चार घंटों के अतिरिक्त कभी भी बिजली काट देता है। पहले ही चार घंटे की कटौती की जा रही है, उसके बाद भी अतिरिक्त कटौती रुक नहीं रही है। ऐसे में रबि फसलों की सिंचाई प्रभावित हो रही है, वहीं गर्मी से राहत पाने के लिए घरों में लगे विद्युत उपकरण भी बंद पड़े हैं। परेशान किसानों ने गर्मी और सिंचाई की समस्या से निजात पाने के लिए विद्युत कार्यालय पहुंचकर अपनी समस्या के समाधान के लिए ज्ञापन सौंपा है। इसी प्रकार बड़ेबेंदरी के ग्रामीण भी परेशान हैं और उन्होंने भी कोण्डागांव में अपनी समस्या के समाधान के लिए ज्ञापन सौंपा है।

दंतेवाड़ा जिले की प्रगति में एएम/एनएस इंडिया की सक्रिय भागीदारी

किरंदुल। औद्योगिक उत्कृष्टता के साथ सामाजिक सरोकारों को आत्मसात करते हुए आर्सेलरमित्तल निप्पन स्टील इंडिया (एएम/एनएस इंडिया) ने पिछले एक सप्ताह के दौरान दंतेवाड़ा जिले के विभिन्न अंचलों में विकास और सेवा की एक नई नींव रखी है। कंपनी ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के तहत न केवल अधोसंरचना को मजबूती प्रदान की है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, खेल प्रतिभाओं और महिला स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील विषयों पर भी जमीनी स्तर पर ठोस कार्य किए हैं। किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए टिकनपाल ग्राम पंचायत के किसानों को पाइप वितरित किए गए, ताकि खेतों के अंतिम छोर तक सिंचाई की सुविधा निर्बाध रूप से पहुँच सके और रबी व खरीफ की फसलों का बेहतर उत्पादन सुनिश्चित हो सके। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए एएम/एनएस इंडिया ने किरंदुल बस्ती के नरियापारा में वर्षों से खराब पड़े हैंडपंपों का त्वरित सुधार कार्य कराया, जिससे स्थानीय बस्तीवासियों को बड़ी राहत मिली है। जल संकट के स्थायी समाधान हेतु कंपनी की तकनीकी टीम ने मड़कामीरास, किरंदुल और कोडेनार गांवों में वैज्ञानिक पद्धति से भूजल स्तर का सूक्ष्म परीक्षण किया है। इस सर्वे के आधार पर भविष्य में नए बोरवेल स्थापना के लिए उपयुक्त स्थलों का चयन कर लिया गया है, जिससे आने वाले समय में इन क्षेत्रों में पानी की किल्लत पूरी तरह समाप्त हो जाएगी। खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने के अपने संकल्प को दोहराते हुए कंपनी ने गोंगपाल ग्राम पंचायत में आयोजित भव्य टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट में मुख्य सहयोगी की भूमिका निभाई। इस खेल महाकुंभ में बस्तर अंचल की कुल 32 टीमों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया, जहाँ विजेताओं को पुरस्कृत कर उनका मनोबल बढ़ाया गया।एएम/एनएस इंडिया प्रबंधन ने इस अवसर पर स्पष्ट किया कि वे स्थानीय समुदाय के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने और बस्तर की धरा पर खुशहाली लाने के लिए निरंतर समर्पित रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

दूरती में गरिमामय आयोजन, बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

सूरजपुर संवाददाता :-- भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर पी.एस.एम. राजमोहनी देवी बाल विद्या मंदिर, दूरती में एक सुसंगठित एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों ने बाबा साहब के आदर्शों को स्मरण करते हुए उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक कार्यकर्ता सोनू कुमार चौधरी एवं यशवंत बघेल द्वारा विद्यार्थियों को कॉपी और पेन का वितरण किया गया। इस पहल को शिक्षा के प्रति बच्चों को प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना गया। साथ ही बाबा साहब के शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो के संदेश को भी बच्चों तक पहुंचाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधान पाठक ताज मोहम्मद के साथ शिक्षिका खुशी गुप्ता, दीपमाला, सलीना प्रवीन एवं हेमलता राजवाड़े की उपस्थिति रही। सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बाबा साहब के जीवन संघर्ष, उनके योगदान और सामाजिक समरसता के संदेश के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए, जिससे पूरे वातावरण में जागरूकता और प्रेरणा का संचार हुआ। आयोजन ने शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के मूल्यों को मजबूती से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सभी ने बाबा साहब के आदर्शों पर चलने और समाज में समानता व भाईचारे को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा बरमकेला क्षेत्र में की गई जांच

सारंगढ बिलाईगढ़। खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा बरमकेला क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए शीतल पेयों के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे हैं। शीतल पेय तथा कार्बोनेटेड कैफीन युक्त एनर्जी ड्रिंक के 10 से अधिक नमूने जांच हेतु लिए गए हैं, जिन्हें हरियाणा व कोलकाता के प्रयोगशाला में भेजे गए हैं। विभाग के अधिकारियों के अनुसार गर्मी के मौसम में शीतल पर पदार्थों की खपत बढ़ जाती है ऐसे में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए यह कार्रवाई की गई है। जांच के दौरान बरमकेला के विभिन्न दुकानों से माजा, थम्स अप, स्प्राइट, सोडा, जलजीरा, कोका कोला व एनर्जी ड्रिंक जैसे रेडबुल एनर्जी ड्रिंक, स्टिंग, हेल इत्यादि के 10 नमूने लिए गए हैं व बर्फ फैक्ट्रियों का जाँच कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। साथ ही खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत विभिन्न दुकानों तथा गन्ना जूस सेंटर तथा फ्रूट जूस व ठेले गुमठी इत्यादि को सख्त निर्देश देते हुए नोटिस प्रदाय की गई है। यदि जांच में किसी भी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो संबंधित के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। विभाग का कहना है कि गर्मी के मौसम में मिलावटी और अमानक खाद्य पदार्थ की बिक्री की आशंका बढ़ जाती है इसलिए लगातार निरीक्षण एवं सैम्पलिंग की जा रही है। रिपोर्ट आने के बाद संबंधित दुकानों पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। जांच के दौरान विभागीय टीम में वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी नेमीचंद पटेल एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारीवरुण पटेल शामिल रहें।

एक ही मंडप में 6 जोड़ों का आदर्श विवाह साहू समाज ने पेश की सादगी और सहयोग की मिसाल - उप मुख्यमंत्री अरुण साव

बेमेतरा। उप मुख्यमंत्री अरुण साव गत दिनों ग्राम बनरांका (थानखम्हरिया) और अकलवारा में साहू समाज द्वारा आयोजित मां कर्मा जयंती, सामूहिक आदर्श विवाह एवं शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। उन्होंने भक्त माता कर्मा के त्याग और सेवा भाव को स्मरण करते हुए सभी से निस्वार्थ सेवा की प्रेरणा लेने की बात कही। इस अवसर पर आयोजित सामूहिक विवाह में 6 जोड़ों को नवदांपत्य जीवन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। साथ ही दोनों गांवों में श्री साव ने सामाजिक भवन निर्माण के लिए 65 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह जैसे आयोजन समाज में सादगी और सहयोग का संदेश देते हैं। कार्यक्रम में तहसील साहू समाज के नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने शपथ ली। उप मुख्यमंत्री ने सभी पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारियों के लिए बधाई दी और समाजहित में समर्पित होकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

ऐतिहासिक नारी शक्ति वंदन कार्यक्रमः हजारों महिलाओं की गूंज से गूंजा सूरजपुर, सशक्त भारत का बुलंद संदेश

सूरजपुर संवाददाता। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में और महिलाओं के सम्मान व देश निर्माण में उनकी भागीदारी को सशक्त करने के उद्देश्य से जिले में भव्य नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े के नेतृत्व में महंगवा चौक सूरजपुर से शिवपार्क सूरजपुर तक विशाल महिला स्कूटी रैली निकाली गई, जिसमें हजारों महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पूरे शहर को नारी शक्ति के जोश और संकल्प से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33ब आरक्षण सुनिश्चित करना भारत के लोकतांत्रिक इतिहास की एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को केवल प्रतिनिधित्व ही नहीं, बल्कि निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी देकर राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को और मजबूत करेगा। मंत्री ने कहा कि आज की नारी केवल परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज, शासन और राष्ट्र निर्माण की सशक्त धुरी बन चुकी है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक आत्मनिर्भरता और नेतृत्व के क्षेत्र में नए अवसर प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि पंचायत से लेकर संसद तक महिलाओं की बढ़ती भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि नारी शक्ति हर क्षेत्र में अपनी सशक्त पहचान स्थापित कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि महिलाएं हमेशा से सशक्त रही हैं, लेकिन उन्हें उनके अधिकारों से वंचित रखा गया। अब महिलाएं अपने अधिकारों के लिए निरंतर प्रयास कर रही हैं, जिसमें पुरुष समाज का सहयोग भी सराहनीय है। उन्होंने नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम को एक उत्सव बताते हुए कहा कि यह कार्यक्रम महिलाओं के सम्मान और आत्मविश्वास का प्रतीक बन चुका है।कार्यक्रम में उपस्थित किशोर न्याय बोर्ड की महिला कर्मी एवं ब्रह्मकुमारी संस्था की दीदी ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से शासन अधिक समावेशी, संवेदनशील और प्रभावी बनेगा, जिससे सामाजिक न्याय और समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि पैकरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष रेखालाल रजवाड़े, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती स्वाति सिंह, जिला पंचायत सदस्य, नगर पालिका उपाध्यक्ष सहित स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, एनआरएलएम से जुड़ी महिलाएं एवं विभिन्न संगठनों की हजारों महिलाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के माध्यम से सशक्त नारी, सशक्त भारत का संदेश पूरे जिले में प्रभावी रूप से प्रसारित किया गया।

जिला खनिज न्यास शासी परिषद बैठक संपन्न, विधायक मरावी ने दिए गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश.....

सूरजपुर संवाददाता। जिला खनिज संस्थान न्यास सूरजपुर की शासी परिषद की बैठक आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी द्वारा की गई। बैठक में प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणी देवपाल सिंह पैकरा, जिला पंचायत सदस्य श्री लोकेश पैकरा, श्री शैलेश अग्रवाल, श्री राजेश्वर तिवारी, श्री राजू सोनी सहित जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत कुमार ठाकुर, डीएफओ श्री डी.पी. साहू, जिला पंचायत सीईओ श्री विजेन्द्र सिंह पाटले एवं जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक में अध्यक्षता कर रहे विधायक श्री भूलन सिंह मरावी ने डीएमएफमद से स्वीकृत कार्यों को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण कराने पर जोर दिया। उन्होंने शिक्षा से संबंधित अधोसंरचना निर्माण कार्यों को मई-जून से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि आगामी शिक्षा सत्र में इन सुविधाओं का लाभ विद्यार्थियों को मिल सके। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों का नियमित भौतिक सत्यापन एवं मॉनीटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते ने बालिका विद्यालयों में प्राथमिकता के आधार पर शौचालय एवं पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने पशुपालन के क्षेत्र में सकारात्मक कार्य करने पर भी बल दिया ताकि ग्रामीण अंचल के क्षेत्रवासियों एवं कृषक बंधुओं की आय में वृद्धि हो सके। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणी देवपाल सिंह पैकरा ने आवश्यकता को प्राथमिकता देते हुए डीएमएफ मद से शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने जोर दिया कि खनिज न्यास की राशि का उपयोग प्रभावित क्षेत्र की जन-आवश्यकता को ध्यान में रखकर किया जाए।

गौ सम्मान आह्वान अभियान की बैठक संपन्न 27 अप्रैल के कार्यक्रम को लेकर रणनीति तय

सूरजपुर संवाददाता। गौ संरक्षण और सेवा को समर्पित गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत ग्राम अधिना सलका (केवटाली-कोटेया) स्थित गौ आश्रय धाम में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का नेतृत्व रायपुर के गौरक्षक एवं मोटिवेशनल स्पीकर आदेश सोनी ने किया, जिसमें बड़ी संख्या में गौ सेवकों और स्थानीय कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई। बैठक के दौरान गौ आश्रय धाम की संरक्षण टीम के वरिष्ठ सदस्यों की उपस्थिति ने आयोजन को और प्रभावशाली बना दिया। पूरे परिसर में गौ सेवा, संरक्षण और जन-जागरूकता को लेकर विशेष ऊर्जा और प्रतिबद्धता देखने को मिली। आदेश सोनी अपनी प्रखर गोरक्षा विचारधारा के लिए प्रदेशभर में चर्चित हैं। उन्होंने विशेष जोर दिया पूर्व में गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर एक आंदोलन के दौरान अपनी उंगली काटकर बलिदान दिया था, जिससे वे व्यापक चर्चा में आए थे। बैठक में 27 अप्रैल को आयोजित होने वाले बड़े कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई। अभियान को सफल बनाने के लिए गांव-गांव तक जन-जागरूकता फैलाने, अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने और गौ सेवा के प्रति सकारात्मक वातावरण बनाने पर कार्यक्रम के समापन पर सभी गौ सेवकों और आम नागरिकों से अपील की गई कि वे अधिकाधिक संख्या में 27 अप्रैल के आयोजन में शामिल होकर गौमाता के सम्मान और संरक्षण के इस अभियान को मजबूती प्रदान करें। आइए, हम सभी मिलकर गौमाता के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें और इस जनआंदोलन को सफल बनाएं। आपकी सहभागिता ही गौमाता और नंदी बाबा के सम्मान एवं सुरक्षा की आधारशिला बनेगी।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक व क्रांतिकारी पहल

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पाण्डेय ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 को देश के लोकतांत्रिक इतिहास में एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी पहल बताया है। आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह अधिनियम देश की आधी आबादी को सशक्त बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है, जो महिलाओं के भविष्य को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक महिलाओं को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया गया, लेकिन उन्हें वास्तविक अधिकार देने का साहस किसी भी सरकार ने नहीं दिखाया। यह ऐतिहासिक कार्य नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में संभव हो पाया, जिन्होंने महिलाओं को नीति-निर्माण में समान भागीदारी दिलाने का मार्ग प्रशस्त किया। सरोज पांडेय ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 केवल एक कानून नहीं, बल्कि महिलाओं को राजनीतिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने का मजबूत माध्यम है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में यह अधिनियम देश में व्यापक परिवर्तन लाएगा और महिलाएं निर्णय लेने की प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाएंगी। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मीना शर्मा तथा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रीति स्वर्णकार सहित पार्टी के कई पदाधिकारी मौजूद रहे। पत्रकार वार्ता के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि अब देश की मातृशक्ति केवल दर्शक नहीं, बल्कि निर्णय लेने वाली शक्ति बनेगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों के माध्यम से समाज में जागरूकता बढ़ाने का काम किया है।

आवेदन का असर, केवटाली के वार्ड क्रमांक 8 में शुरू हुआ बोर खनन, जल संकट से मिलेगी राहत

सूरजपुर संवाददाता। ग्राम पंचायत केवटाली के वार्ड क्रमांक 8 में लंबे समय से बनी पेयजल समस्या के समाधान की दिशा में अब ठोस पहल होती नजर आ रही है। वार्डवासियों की मांग और जनप्रतिनिधियों के प्रयास के बाद मंगलवार, 14 अप्रैल 2026 को वार्ड में बोर खनन कार्य शुरू कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, वार्ड में पानी की गंभीर समस्या को लेकर वार्ड क्रमांक 8 की पंच फूलकली चेवा एवं उपसरपंच संघ जिला सूरजपुर के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव द्वारा संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों को विधिवत आवेदन प्रस्तुत किया गया था। आवेदन में उल्लेख किया गया था कि वार्ड में निवासरत 10 से 15 परिवारों को पेयजल के लिए काफी दूर तक जाना पड़ता है, जिससे उनका दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। आवेदन में यह भी बताया गया था कि केवटाली-सत्यानगर मुख्य मार्ग के दोनों ओर बसे इन परिवारों को विशेष रूप से गर्मी के मौसम में गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है, जिससे स्थिति और अधिक विकट होने की आशंका है। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्रीय विधायक भटगांव के सहयोग तथा लक्ष्मी राजवाड़े, मंत्री महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशन में वार्ड क्रमांक 8 में बोर मशीन भेजी गई। इसके बाद मौके पर बोर खनन कार्य प्रारंभ कराया गया। बोर खनन कार्य शुरू होते ही वार्डवासियों में खुशी का माहौल है। लंबे समय से पानी की समस्या से जूझ रहे लोगों को अब राहत मिलने की उम्मीद जगी है। इस पहल के लिए वार्डवासियों ने स्थानीय विधायक भटगांव, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, आवेदन प्रस्तुत करने वाले जनप्रतिनिधियों तथा संबंधित अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

ग्रीष्मकालीन पेयजल संकट के समाधान हेतु जिला स्तरीय समीक्षा बैठक सम्पन्न...

सूरजपुर संवाददाता। ग्रीष्म ऋतु में संभावित पेयजल संकट के प्रभावी निराकरण एवं आमजन को निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला पंचायत सूरजपुर के सभा कक्ष में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर महोदय के निर्देशन में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सूरजपुर द्वारा की गई। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता, जिले के समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सिविल सर्जन, मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला मिशन समन्वयक (समग्र शिक्षा) सहित जिला पंचायत की विभिन्न शाखाओं के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान ग्रीष्मकाल में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ एवं सुचारु बनाए रखने के लिए विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

जलस्तर की निगरानी पर विशेष जोर

बैठक में निर्देशित किया गया कि जिन ग्राम पंचायतों में भू-जल स्तर 100 फीट से नीचे चला गया है, वहाँ विशेष सतर्कता बरती जाए। संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से जलस्तर की निगरानी करते हुए स्थिति की समीक्षा करने तथा आवश्यकता अनुसार त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

वैकल्पिक जल व्यवस्था के निर्देश

जिन क्षेत्रों में हैंडपंपों का जलस्तर अत्यधिक नीचे चला गया है, वहाँ सिंगल फेज पंप स्थापित करने एवं सिंटेक्स टंकियों के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जल संकटग्रस्त ग्रामों के लिए विशेष प्रबंध

बैठक में ऐसे ग्रामों की सूची संबंधित जनपद पंचायतों को उपलब्ध कराई गई, जिन्हें 'हर घर जल' घोषित किया जा चुका है। इन ग्रामों में सुचारु जल आपूर्ति के लिए तकनीकी रूप से दक्ष पंप ऑपरेटर की नियुक्ति तथा जलप्रदाय व्यवस्था के सतत संचालन हेतु जलकर वसूली प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक के अंत में मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में समन्वय स्थापित करते हुए पेयजल समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें, ताकि ग्रीष्म ऋतु में आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

जिले में रसोई गैस की सुचारू वितरण व्यवस्था हेतु कलेक्टर एवं एसपी ने ली बैठक

कोरबा। जिले में घरेलू रसोई गैस की सुचारू उपलब्धता व वितरण सुनिश्चित करने, अवैध भंडारण, ब्लैक मार्केटिंग, अधिक कीमत पर बिक्री तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत एवं पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी की अध्यक्षता में गैस वितरक एजेंसियों की बैठक आयोजित हुई। कलेक्टर श्री दुदावत ने सभी एजेंसियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रशासन का उद्देश्य उपभोक्ताओं को सुचारु और पारदर्शी गैस वितरण व्यवस्था उपलब्ध कराना है। इसमें किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सम्बन्धितों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर दुदावत एवं पुलिस अधीक्षक श्री तिवारी ने सभी गैस वितरक एजेंसियों को सख्त दिशा-निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि एजेंसियों में किसी भी प्रकार की कानून-व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए, सभी एजेंसियां इसका विशेष ध्यान रखें। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सभी गैस वितरक एजेंसियों में सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिए। एजेंसी परिसर के बाहर की गतिविधियों पर निगरानी के लिए बाहरी दिशा में भी एक कैमरा विशेष रूप से लगाने के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही सभी एजेंसियों में सुरक्षा की दृष्टि से चैकोदार की व्यवस्था सुनिश्चित करने निर्देश दिए गए।

घर के मुख्य दरवाजे को बनाएं खुशहाली का द्वार

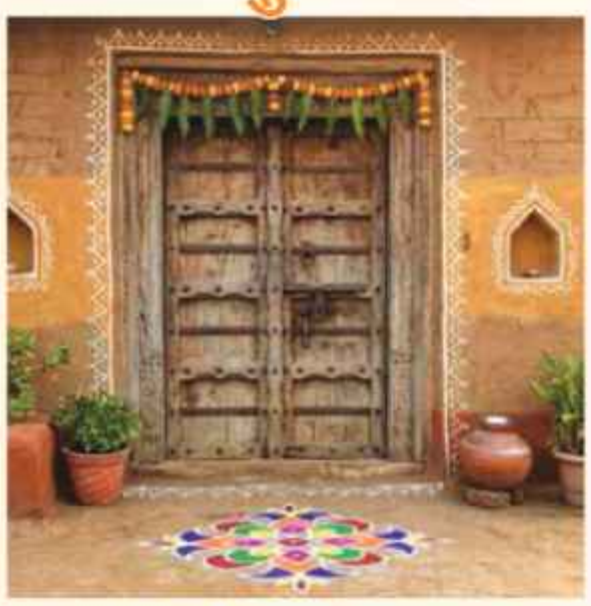

वास्तु शास्त्र में मुख्य द्वार को घर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। यहीं से सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है। यदि मुख्य द्वार सही दिशा और साफ-सुथरा हो, तो यह घर में सुख, शांति और समृद्धि लाता है।

साफ-सफाई और व्यवस्थित प्रवेश

मुख्य द्वार को हमेशा साफ और अस्त-व्यस्त से अलग रखना बेहद जरूरी है। गंदगी और बिखेराव नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करते हैं, जबकि साफ-सुथरा प्रवेश सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह को बढ़ाता है।

सही दिशा का चयन

वास्तु के अनुसार, मुख्य द्वार उत्तर-पूर्व, उत्तर या पूर्व दिशा में होना सबसे शुभ माना जाता है। यह दिशा धन, स्वास्थ्य और खुशहाली को बढ़ाने में मदद करती है।

पीतल या तांबे की घंटी

दरवाजे पर पीतल या तांबे की घंटी लगाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। इसकी मधुर ध्वनि घर में सकारात्मक कंपन पैदा करती है और शुभता का संकेत देती है।

गणेशजी की स्थापना

मुख्य द्वार पर भगवान गणेश की मूर्ति या तस्वीर लगाने से घर में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं। यह बुरी नजर से सुरक्षा प्रदान करता है और सौभाग्य को बढ़ाता है।

काले घोड़े की नाल या तुलसी का पौधा

दरवाजे के पास काले घोड़े की नाल या तुलसी का पौधा रखना बेहद शुभ माना जाता है। यह नकारात्मक शक्तियों को दूर करके घर में सुख-समृद्धि और सकारात्मकता लाता है।

इन सरल वास्तु टिप्स को अपनाकर आप अपने घर के मुख्य द्वार को ऊर्जा का केंद्र बना सकते हैं। सही दिशा, साफ-सफाई और शुभ प्रतीकों का उपयोग आपके जीवन में खुशहाली और समृद्धि लाने में मदद करता है।

पूजा के लोटा से करें ये धन बढ़ाने के उपाय

हिंदू धर्म में पूजा का लोटा केवल एक बर्तन नहीं, बल्कि सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि सही विधि से इसका उपयोग करने पर यह व्यक्ति के जीवन में धन और शांति ला सकता है। यह उपाय सरल होने के साथ-साथ बेहद प्रभावशाली भी माना जाता है।

रात में करें ये खास उपाय

रोज रात को सोने से पहले पूजा में उपयोग होने वाले लोटे में साफ पानी भरकर रखें। यह पानी सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है और घर के वातावरण को शांत बनाए रखता है। ध्यान रखें कि लोटा स्वच्छ और पवित्र स्थान पर रखा हो।

सुबह का नियम बदल सकता है किस्मत

सुबह उठने के बाद बिना किसी से बात किए उस पानी को घर के चारों ओर छिड़क दें। ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और घर में सुख-समृद्धि का वास होता है। यह प्रक्रिया नियमित रूप से करने पर आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिल सकता है।

ध्यान रखने योग्य बातें

इस उपाय को करते समय यह सुनिश्चित करें कि पानी भरते और डालते समय किसी की टोका-टाकी न हो। साथ ही मन में सकारात्मक भाव और विश्वास बनाए रखना बेहद जरूरी है। श्रद्धा और नियम के साथ किया गया यह उपाय अधिक प्रभावी माना जाता है।

ये 5 सपने दिखा देते हैं रिश्तों की सच्चाई

सपनों के बारे में अगर बात करें तो ये हर व्यक्ति के जीवन का ऐसा हिस्सा है जिसे हम या तो अजीब समझते हैं या फिर रहस्यमयी। स्वप्न शास्त्र की मानें तो आप जिन चीजों को सपने में देखते हैं, वे आपके भविष्य या जीवन से जुड़े हुए हालातों की तरफ भी इशारा कर सकती हैं। अगर आप भी स्वप्न शास्त्र के पीछे छिपे रहस्यों को जानने में दिलचस्पी रखते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए ही है। आज हम आपको कुछ ऐसे सपनों के बारे में बताने जा रहे हैं जो किसी रिश्ते के पीछे छिपी हुई सच्चाइयों के बारे में हमें बताते हैं।

कई बार ऐसा भी होता है कि जिन चीजों को हम जागते हुए आंखों से समझ नहीं पाते हैं, वे हमें सपनों के जरिये कई तरह के संकेत देते हैं। इस तरह के जो सपने होते हैं, वे अक्सर हमारे दिल और दिमाग के असली हालात को समझने में भी हमारी मदद करते हैं। तो चलिए इन सपनों के बारे में विस्तार से जानते हैं जो आपके रिश्तों की सच्चाई आपके सामने लाकर रख सकते हैं।

1 पार्टनर से झगड़ा होने का सपना

अगर आप बार-बार सपने में अपने पार्टनर से लड़ाई होते हुए देख रहे हैं, तो यह इस बात का संकेत हो सकता है कि आपके रिश्ते में कोई अनसुलझी समस्या बची हुई है। कई बार ऐसा भी हो सकता है कि आप अपने दिल की बातों को खुलकर उनसे शेयर नहीं कर पा रहे हैं या फिर आप अपने अंदर ही अंदर कुछ दबाकर रख रहे हैं।

2 पार्टनर का दूर जाना या छोड़कर जाना

अगर आप सपने में अपने पार्टनर को दूर जाते हुआ या फिर खुद को छोड़कर जाते हुए देख रहे हैं, तो यह बताता है कि आपके अंदर किसी तरह की इनसिक्योरिटी है या फिर आप डर रहे हैं। यह इस बात का संकेत हो सकता है कि आप अपने रिश्ते में भरोसे की कमी से जूझ रहे हैं। इसके अलावा इस तरह के सपने कई बार यह भी बताते हैं कि आप अपने पार्टनर को खोने के डर से भी परेशान हैं।

3 पार्टनर को किसी और के साथ देखना

अगर आप सपने में अपने पार्टनर को किसी और के साथ देख रहे हैं, तो यह बिलकुल भी जरूरी नहीं है कि यह सच ही हो। सपने में इस तरह की चीजों को देखने का मतलब होता है कि आपके दिल में किसी तरह की जलन की भावना, इनसिक्योरिटी या फिर पार्टनर के प्रति भरोसे की कमी है।

4

अगर आप सपने में बार-बार अपने एक्स को देख रहे हैं, तो यह बताता है कि आप अभी भी उस रिश्ते से पूरी तरह से बाहर निकल नहीं पाए हैं। इस तरह के सपने अधूरे इमोशंस या फिर पुराने एक्सपीरियंस की याद दिलाता है। इस तरह के सपने कई बार आपके वर्तमान को अफेक्ट भी कर देते हैं।

5 पार्टनर के साथ खुश और सुकून भरे पल बिताना

अगर आप अपने सपने में पार्टनर के साथ खुशियों और सुकून भरे पलों को एन्जॉय कर रहे हैं, तो यह एक पॉजिटिव संकेत है। इसका मतलब होता है कि आप अपने रिश्ते से पूरी तरह से सैटिस्फाइड हैं और साथ ही आप दोनों एक दूसरे से इमोशनली जुड़े हुए भी हैं।

भारी साड़ी पहनना हुआ आसान

भारी साड़ी पहनना कई महिलाओं के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, खासकर शादी या फंक्शन जैसे खास अवसरों पर। सही तरीके से साड़ी पहनने पर न केवल स्टाइल बढ़ता है बल्कि आराम भी मिलता है। इस आर्टिकल में हम आपको भारी साड़ी पहनने के आसान और प्रभावी टिप्स बताएंगे, जिससे आप साड़ी को सही तरीके से संभाल सकें और लंबे समय तक आराम महसूस करें। पल्लू को सही ढंग से फिक्स करना, बेल्ट का इस्तेमाल, हल्का ब्लाउज और पेटीकोट चुनना जैसी तकनीकें आपको इस प्रक्रिया में मदद करेंगी। इन सरल उपायों से आपकी साड़ी पहनने की परेशानी कम होगी और आप हर अवसर पर खूबसूरत दिखेंगी।

हल्की ब्लाउज और पेटीकोट चुनें

भारी साड़ी पहनते समय सबसे पहले यह ध्यान दें कि आपके ब्लाउज और पेटीकॉट हल्के हों। भारी ब्लाउज या मोटा पेटीकोट पहनने से पूरे आउटफिट का वजन बढ़ जाता है और साड़ी संभालना मुश्किल हो जाता है। हल्का ब्लाउज और आरामदायक पेडीकॉट पहनें, जिससे आप लंबे समय तक आसानी से साड़ी को संभाल सकें और मूवमेंट में कोई रुकावट न आए।

पल्लू को क्लिप सेफ्टी पीन्स से सिक्योर करें

भारी साड़ी का पल्लू अक्सर गिर सकता है या फिसल सकता है, जिससे परेशानी हो सकती है। इसे रोकने के लिए पल्लू को कंधे पर अच्छी तरह क्लिप या सेफ्टी पिन से फिक्स करें। खास अवसरों या डांस करते समय यह बहुत मदद करता है। पिन लगाते समय यह सुनिश्चित करें कि कपड़े को नुकसान न पहुंचे और पिन आरामदायक हो।

साड़ी बेल्ट का इस्तेमाल करें

साड़ी को सही और टाइट रखने के लिए साड़ी बेल्ट का इस्तेमाल बहुत कारगर है। आप कमर और पल्लू दोनों पर बेल्ट पहन सकती हैं। यह न केवल साड़ी को फिट रखता है बल्कि चलते समय साड़ी फिसलने का डर भी कम करता है। साथ ही यह आपके लुक को और भी आकर्षक बनाता है।

वजन सही तरीके से बांटें

भारी साड़ी पहनते समय उसका वजन सही तरीके से बांटना बेहद जरूरी है। फोल्ड्स और प्लिट्स को बराबर बांटें। पल्लू और बॉडी का वजन बैलेंस होने पर लंबे समय तक पहनने में भी आराम रहता है। ध्यान दें कि एक तरफ ज्यादा साड़ी न हो, वरना कमर और कंधे पर दबाव बढ़ जाएगा।

आरामदायक जूते या सैंडल पहनें

भारी साड़ी के साथ सही जूते या सैंडल पहनना जरूरी है। अगर आप ऊँची एड़ी पहनती हैं तो पेडीकॉट और साड़ी का वजन संभालना आसान होगा। वहीं फ्लैट सैंडल भी अच्छे विकल्प हैं अगर आपको लंबे समय तक खड़े रहना है या इवेंट में ज्यादा चलना है। आरामदायक जूते आपकी चाल और संतुलन दोनों बनाए रखते हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन खर्चों को लेकर चिंता बढ़ा सकता है, लेकिन रुका हुआ धन मिलने से राहत भी मिलेगी। परिवार और जीवनसाथी के साथ तालमेल बनाए रखना जरूरी होगा। पुराने मित्र से मुलाकात मन हल्का करेगी और शिक्षा से जुड़े कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृषभ राशि - आज का दिन थोड़ा उलझन भरा रहेगा, लेकिन भाग्य का साथ मिलने से काम पूरे होंगे। परिवार और भाइयों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव रह सकता है, इसलिए सतर्क रहें। धार्मिक गतिविधियों में मन लगेगा।

मिथुन राशि - आज का दिन लाभकारी रहेगा। जीवनसाथी के सहयोग से कार्य पूरे होंगे और आय में वृद्धि होगी। सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा और परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। निवेश में भी लाभ मिलने के योग हैं।

कर्क राशि - आज का दिन खुशियों से भरा रहेगा। नई-नई खुशखबरी मिल सकती है। वाहन खरीदने का योग है और कानूनी कार्य पूरे हो सकते हैं। माता का आशीर्वाद मिलेगा, लेकिन निर्णय लेने में थोड़ी दुविधा रह सकती है।

सिंह राशि - आज साझेदारी में काम करने वालों के लिए दिन अच्छा रहेगा। किसी डील से लाभ मिलेगा, लेकिन भरोसा सोच-समझकर करें। परिवार के साथ घूमने का प्लान बन सकता है और रिश्तेदारों से सहयोग मिलेगा।

कन्या राशि - आज का दिन बहुत लाभकारी रहेगा। ऑनलाइन काम करने वालों को बड़ा ऑर्डर मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में प्रशंसा मिलेगी और आय में वृद्धि होगी। रुके हुए काम पूरे होंगे और नौकरी बदलने के प्रयास सफल होंगे।

तुला राशि-आज का दिन महत्वपूर्ण रहेगा। मेहनत का पूरा फल मिलेगा और व्यापार में अच्छी डील मिल सकती है। परिवार की उलझनें सुलझेंगी और वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता और नए अवसर मिलेंगे।

वृश्चिक राशि – आज का दिन मिला-जुला रहेगा। काम का दबाव बढ़ सकता है, जिससे मानसिक तनाव होगा। अचानक कई जिम्मेदारियां आ सकती हैं। परिवार से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है, लेकिन जीवनसाथी से तालमेल बनाए रखें।

धनु राशि- आज का दिन अनुकूल रहेगा। प्रेम जीवन में खुशियां रहेंगी और कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। आप अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे और नई योजनाओं की शुरुआत कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में सफलता और प्रगति होगी।

मकर राशि - आज का दिन बेहतरीन रहेगा। सामाजिक क्षेत्र में सम्मान मिलेगा और परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। पुराने विवाद सुलझ सकते हैं और नए अवसर मिलेंगे। नए अवसर और सफलता मिलेगी।

कुंभ राशि- आज का दिन खुशनुमा रहेगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा और व्यापार में यात्रा के योग बनेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरूरी है, खासकर खान-पान को लेकर सतर्क रहें। व्यापार में नए अवसर मिलेंगे। आय सामान्य रहेगी। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। पेट से जुड़ी समस्या हो सकती है।

मीन राशि- आज का दिन अनुकूल रहेगा। चिंताओं से मुक्ति मिलेगी और आत्मविश्वास बढ़ेगा। रुके हुए कार्य पूरे होंगे और परिवार में रिश्ते सुधरेंगे। भविष्य के लिए बचत पर ध्यान देंगे।

– ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

हरी मिर्च से बनाएं ये रेसिपीज

मिर्च सिर्फ खाने में तीखापना नहीं लाती, बल्कि इसके इस्तेमाल से आपकी डिश का स्वाद भी बढ़ जाता है। हरी मिर्च से आप कई तरह के स्वादिष्ट और अलग-अलग डिशेज बना सकते हैं। यहां दिए गए आइडियाज से आप मिर्च से 4 तरह की रेसिपीज बना सकते हैं।

मिर्च का अचार

मिर्च को अच्छे से धोकर लंबाई में काट लें। अब एक बर्तन में नमक, हल्दी और सरसों का पाउडर मिलाएं। अब मिर्च को इस मिश्रण में डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब इसे एक साफ कांच के जार में भरें और ऊपर से सरसों का तेल डालें। इसे 2–3 दिन के लिए धूप में रख दें। आपका मिर्च का अचार बनकर तैयार है।

दही मिर्च

दही मिर्च स्वादिष्ट डिश है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले हरी मिर्च में हल्का चीरा लगाएं और सरसों के तेल में राई, जीरा, सौंफ और हल्दी डालकर भूनें। फिर इसमें फेंटा हुआ दही और नमक मिलाएं और धीमी आंच पर पकाएं जब तक पानी सूख न जाए और मसाले अच्छी तरह मिर्च में कोट न हो जाए। तैयार दही मिर्च को दाल-चावल या पराठे के साथ गरमा-गरम परोसें।

हरी मिर्च की चटनी

हरी मिर्च, हरा धनिया, लहसुन, नमक और नींबू का रस मिक्सर में डालकर पीस लें। अगर जरूरत हो तो थोड़ा पानी डालें। तैयार चटनी को कटोरी में निकालें और ऊपर से तड़का (राई, करी पत्ता और तेल) डालें। इसे रोटी, पराठा या स्नैक्स के साथ परोसें।

मिर्च वड़ा

हरी मिर्च को बीच से काटकर बीज निकाल दें। अब एक बर्तन में बेसन, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर घोल तैयार करें। अब मिर्च को इस घोल में लपेटें और गरम तेल में सुनहरा होने तक तलें। गरमा गरम मिर्च वड़ा धनिये की चटनी या सॉस के साथ सर्व करें।

घर पर बनाएं सौंफ का शरबत

गर्मियों में शरीर को ठंडक देने के लिए सौंफ का शरबत एक बेहतरीन और देसी उपाय है। सौंफ की तासीर ठंडी होती है, जो पेट की गर्मी को शांत करने के साथ-साथ पाचन को भी बेहतर बनाती है। यह शरबत स्वाद में हल्का मीठा, सुगंधित और बेहद रिफ्रेशिंग होता है। खास बात यह है कि इसे घर पर बहुत ही कम सामग्री में आसानी से तैयार किया जा सकता है। सौंफ, नींबू और इलायची का स्वाद इसे और भी खास बना देता है। दिनभर की थकान मिटाने के लिए यह एक परफेक्ट हेल्दी ड्रिंक है।

सौंफ का शरबत बनाने के लिए सामग्री

सौंफ – 2 बड़े चम्मच, पानी – 2 कप, चीनी – 3-4 बड़े चम्मच (स्वादानुसार), नींबू का रस – 1 बड़ा चम्मच, काला नमक – 1/2 छोटा चम्मच, इलायची पाउडर – 1/4 छोटा चम्मच, बर्फ के टुकड़े – जरूरत अनुसार

सौंफ शरबत बनाने का आसान तरीका

सबसे पहले सौंफ को 1-2 घंटे के लिए पानी में भिगो दें। भीगी हुई सौंफ को मिक्सर में डालकर अच्छी तरह पीस लें। अब इस पेस्ट को छानकर उसका पानी अलग कर लें। इसमें चीनी डालकर अच्छे से घोल लें। फिर नींबू का रस, काला नमक और इलायची पाउडर मिलाएं। अंत में बर्फ डालकर ठंडा-ठंडा सर्व करें।

जहांगीर आर्ट गैलरी में कला प्रदर्शनी

मशहूर पेंटर विशाखा आप्टे के कामों की एक अनोखी सोलो प्रदर्शनी 14 से 20 अप्रैल 2026 तक जहांगीर आर्ट गैलरी में हो रही है। यह प्रदर्शनी सभी के लिए खुली रहेगी। गैलरी रागिनी द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी का कॉन्सेप्चुअल गाइडेंस इला पुरी ने दिया है। मुंबई के बाद यही प्रदर्शनी 25 अप्रैल से 30 मई तक नई दिल्ली में भी दिखाई जाएगी, जिससे राजधानी के कला प्रेमियों को आप्टे की कला की दुनिया का अनुभव करने का मौका मिलेगा। यह प्रदर्शनी, जो तीन दशकों से ज्यादा की क्रिएटिव यात्रा को दिखाती है, इसमें पेंटिंग, प्रिंटमेकिंग, कागज़ पर रचनाएँ और मिट्टी के काम शामिल हैं।

आप्टे ने अलग-अलग मीडिया में बनाए गए अपने कामों में 'होने', 'मौजूदगी' और इंसानी अनुभव को खोजा है। उनके काम बाहरी दिखावे के बजाय शांत, संयमित और आत्मनिरीक्षण करने वाले एक्सप्रेशन पर ज़ोर देते हैं। आप्टे की कला की दुनिया में इंसानी आकृति पूरी तरह से नहीं बल्कि टुकड़ों, निशानों और निशानों में दिखाई देती है। पैर और हाथ जैसे एलिमेंट मूवमेंट, बैलेंस और होने का एहसास दिखाते हैं। ये उसकी रोजमर्रा की ज़िंदगी की चीज़ों में भी जान डाल देते हैं, जिससे इंसान और माहौल के बीच की सीमाएं धुंधली लगने लगती हैं। कागज़ के इस्तेमाल से उन्होंने इको-फ्रेंडली तरीका भी दिखाया है और आसान एलिमेंट से मतलब वाले स्ट्रक्चर बनाए हैं। कॉन्सेप्चुअल आर्टिस्ट इला पुरी के मुताबिक आप्टे के आर्टवर्क शरीर का कोई बड़ा नज़ारा नहीं दिखाते, बल्कि उसकी समझ बारीक टेक्सचर, वजन और निशानों के ज़रिए दिखाई जाती है। यह आर्ट लैंग्वेज देखने वाले को चुपचाप सोचने पर मजबूर करती है।विशाखा आप्टे का जन्म 1966 में नासिक में हुआ था। उन्होंने मुंबई के जे. जे. कॉलेज ऑफ आर्ट्स से पढ़ाई की और उन्हें कई नेशनल लेवल के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। उन्होंने देश-विदेश में कई एग्जिबिशन में हिस्सा लिया है। उनके काम दिल्ली के नेशनल म्यूज़ियम ऑफ मॉडर्न आर्ट समेत कई मशहूर जगहों पर संभालकर रखे गए हैं। कुल मिलाकर, यह एग्ज़िबिशन फॉर्म, मेमोरी और मीडियम के बीच के रिश्ते पर गहरी सोच दिखाती है, और दर्शकों को एक आरामदायक और खुद को समझने वाला अनुभव देती है।

'डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर जयंती पर श्रद्धासुमन के साथ विधिक जागरूकता अभियान का शुभारंभ'

दुर्ग। भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के पावन अवसर पर आज प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा न्यायालय परिसर में डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित की गई।

कार्यक्रम के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने अपने उद्बोधन में डॉ. अंबेडकर के विचारों, उनके संघर्षमय जीवन एवं भारतीय समाज को समानता, न्याय और अधिकारों के प्रति जागरूक करने में उनके अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर के सिद्धांत आज भी समाज को दिशा प्रदान करते हैं तथा प्रत्येक नागरिक को उनके आदर्शों को आत्मसात कर न्यायपूर्ण समाज की स्थापना में योगदान देना चाहिए।

इस शुभ अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा एक विशेष विधिक जागरूकता अभियान का भी शुभारंभ किया गया। अभियान के अंतर्गत आमजन को उनके विधिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने हेतु प्राधिकरण के पैरालीगल वालेंटियर्स (अड्डूहा) को जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में रवाना किया गया।

आयोजित विधिक साक्षरता शिविरों में पैरालीगल वालेंटियर्स द्वारा आम नागरिकों को निःशुल्क विधिक सहायता, मध्यस्थता, नेशनल लोक अदालत, महिला एवं बाल संरक्षण, श्रमिक अधिकार, तथा सामाजिक न्याय से संबंधित विभिन्न विषयों पर जानकारी प्रदान की गयी। इसके साथ ही आम नागरिकों को उनके अधिकारों के संरक्षण हेतु उपलब्ध कानूनी उपायों के बारे में भी विस्तार से अवगत कराया गया।

इसी क्रम में, एलएडीसीएस (Legal Aid Defense Counsel System) के काउंसिल द्वारा भी विभिन्न स्थानों पर आयोजित विधिक जागरूकता शिविरों में सक्रिय सहभागिता करते हुए नागरिकों को निःशुल्क विधिक सहायता, आपराधिक मामलों में अधिकार, जमानत प्रक्रिया, विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं एवं अन्य महत्वपूर्ण विधिक प्रावधानों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा दुर्ग, नयापारा, राजीवनगर, विद्यानगर, पंचशील नगर रिसाली, चांदनी चौक घनोरा, कोड़िया, हनोदा, कोकड़ी, हरदी, नौंदनी, चिंगरी, बीरेझर, अंजोरा, माटरा, धमधा, सहगांव, ढोमा, अहरी, सगनी, झिट, तुलसी, कापसी, बेलोदी, बजरंग पारा भिलाई, पुरैना, आदर्श नगर, खुर्सीपार, महमरा, दमोदा, खुड़मुड़ा, सिलोदा आदि स्थानों पर विधिक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा संचालित यह पहल डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर के -समानता एवं न्याय- के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सड़कों पर बस नहीं खड़े करने दिये निर्देश, बस स्टैण्ड का निरीक्षण करने पहुंचे एसडीओपी व सीएमओ

सरायपाली। शहर के बस स्टैण्ड में सड़क पर बसों के खड़े रहने के कारण अक्सर यातायात बाधित होने तथा दुर्घटनाएँ होने की शिकायतों के बाद एसडीओपी और मुख्य नगरपालिका अधिकारी के द्वारा अपनी टीम के साथ बस संचालकों, ऑटो चालकों और बस स्टैण्ड के आस-पास के व्यापारियों को समझाईश दी गई है तथा यातायात बाधित करने पर कार्यवाही की भी चेतावनी दी गई है। शहर के मुख्य मार्ग पर स्थित बस ने स्टैण्ड में आये दिन बेतरतीब ढंग से बसों के खड़े रहने और सड़क व आसपास के व्यवसायियों द्वारा सामग्रियों को फैला क कर रखने के कारण बस स्टैण्ड के आस पास यातायात व्यवस्था में काफी व्यवधान उत्पन्न हो रहा था। इसके अलावा दुर्घटना की भी संभावना बनी रहती थी, जिसे देखते हुए शहर वासियों न के द्वारा यहाँ यातायात दुरूस्त करने के लिए कई बार पुलिस व नगर पालिका से शिकायत की गई थी। उक्त शिकायतों को देखते हुए एसडीओपी ललिता मेहर एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी दिनेश यादव उनकी टीम के द्वारा बस स्टैण्ड में सभी बस, संचालकों व आस-पास के व्यवसायियों को समझाईश दी गई। उनके द्वारा बसों को निर्धारित स्थान पर खड़ी करने और अनावश्यक सड़क पर बसें खड़ी नहीं करने की हिदायत दी गई। साथ ही व्यापारियों को भी बाहर तक सामान नहीं न निकालने की समझाईश दी गई तथा इसका उल्लंघन करने पर भारी भरकम जर्माना लगाने की चेतावनी भी दी गई है।

इस संबंध में सीएमओ यादव ने बताया कि बसों के लिए बस स्टैण्ड परिसर के भीतर पार्किंग व्यवस्था बनाई गई है, लेकिन अधिकांश बसें सड़क पर ही खड़ी रहती हैं। इसे देखते हुए पुलिस व नपा की टीम के द्वारा सभी बस संचालकों को अपने बसों को परिसर के भीतर ही रखने तथा निर्धारित समय के केवल 5 मिनट पूर्व ही सड़क पर निकालने की समझाईश दी गई है। साथ ही इसका उल्लंघन कर यातायात बाधित करने पर 20 हजार रूपये तक के जुर्माने की चेतावनी भी उन्हें दी गई है। इसके लिए सभी बस संचालकों से उनका शेड्यूल भी लिया गया है, ताकि निर्धारित समय के पूर्व बसों के बाहर निकलने पर उन पर कार्यवाही की जा सके। इसके अलावा सभी ऑटो चालकों को एक कतार में रखने के लिए कहा गया है। वहीं फल दुकानों, होटलों, अन्य व्यापारियों व शेड के बाहर सामान निकालने वालों अथवा शेड को ही सीमा से अधिक बाहर तक निकालने वाले व्यवसायियों को भी सख्त हिदायत दी गई है। यादव ने बताया कि एसडीओपी के द्वारा बस स्टैण्ड में व्यवस्था बनाये रखने के लिए दो पुलिस बल भी तैनात करने की बात कही गई है। साथ ही समय-समय पर नगर पालिका की टीम भी यहाँ व्यवस्थाओं का जायजा लेती रहेगी।

ग्रामीणों को निस्तारी की समस्या को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा नहर के माध्यम से तालाबों को भरा जा रहा

बलौदाबाजार। ग्रीष्म ऋतु में तालाबों में पानी की कमी के कारण ग्रामीणों को निस्तारी की समस्या को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा महानदी जलाशय परियोजना के नहर के माध्यम से तालाबों को भरा जा रहा है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर जल संसाधन विभाग के अधिकारियों द्वारा तालाबों में पानी भरने के कार्य की निगरानी की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में महानदी जलाशय परियोजना के नहर के माध्यम से विकासखंड बलौदाबाजार, पलारी, सिमगा एवं भाटापारा के कुल 214 गांव के 379 तालाबों को भरने का लक्ष्य है। इनमे से 21 तालाबों में अब तक पानी भरा गया है तथा 132 प्रगतिरत है। शेष तालाबों में भी जल्द पानी भर दिया जाएगा इन तालाबों के भरने से ग्रामीणों को ग्रीष्म ऋतु में निस्तारी के संकट से मुक्ति मिलेगी। इसके साथ ही तालाबों के भरने से आस-पास के क्षेत्रों में वाटर रिचार्ज भी होगा।

महतारी वंदन योजना बनी गायत्री साहू के लिए संबल, हौसला के पंख को मिली नई उड़ान

बलौदाबाजार-भाटापारा। जीवन की राह में जब दुखों का पहाड़ टूटता है, तो अक्सर उम्मीदें दम तोड़ने लगती हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना प्रदेश की हजारों महिलाओं के लिए अंधेरे में दीये की तरह साबित हो रही है। अमेरा की गायत्री साहू के लिये भी योजना के तहत मिलने वाली राशि सहारा बन गई। गायत्री साहू के पति के आकस्मिक देहांत के बाद दुखों का सैलाब आ गया था। सिर से मुखिया का साया उठने के बाद परिवार के भरण-पोषण की चिंता गायत्री को दिन-रात सताने लगी थी, लेकिन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शुरू हुई महतारी वंदन योजना ने उनके जीवन की दिशा ही बदल दी। प्रतिमाह बैंक खाते में आने वाली एक हजार रुपए की सम्मान राशि गायत्री के लिए केवल पैसा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की पहली सीढ़ी बन गई।अपनी इसी छोटी-सी बचत और अटूट हौसले से गायत्री ने गांव में ही एक छोटी सी फैंसी दुकान शुरू की है। आज उसी दुकान की आमदनी और सरकार से मिलने वाली निरंतर सहायता के बल पर वे न केवल अपने परिवार का सम्मानपूर्वक संचालन कर रही हैं, बल्कि समाज में एक नई मिसाल भी पेश कर रही हैं। गायत्री साहू भावुक होकर कहती हैं कि जब उन्हें सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब 'महतारी वंदन योजना' एक सच्चे सहारे के रूप में उनके पास आई। उन्होंने इस मानवीय पहल के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी का सहृदय आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना ने उन्हें आर्थिक तंगी की बेड़ियों से मुक्त कर अपने पैरों पर खड़ा होने का साहस दिया है।

सरगुजा संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं की बड़ी सर्जरी

संलग्नीकरण तत्काल प्रभाव से समाप्त, डॉक्टर और स्टाफ लौटेंगे मूल पदस्थापना पर

दुर्ग/अम्बिकापुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा विधानसभा में की गई घोषणा के बाद सरगुजा संभाग के स्वास्थ्य विभाग में बड़ी कार्रवाई शुरू हो गई है। संभागीय संयुक्त संचालक डॉ. अनिल कुमार शुक्ला ने संभाग के सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों (CMHO) को कड़ा निर्देश जारी करते हुए समस्त चिकित्सकों और चिकित्सा कर्मियों का संलग्नीकरण (अटैचमेंट) तत्काल समाप्त कर दिया है।मंत्री की घोषणा के बाद एक्शन मोड में विभागहाल ही में विधानसभा सत्र के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने प्रदेश के स्वास्थ्य केंद्रों में स्टाफकी कमी को देखते हुए घोषणा की थी कि जो भी कर्मचारी अपनी मूल पदस्थापना छोड़कर अन्यत्र संलग्न हैं, उन्हें वापस भेजा जाएगा। इसी तारतम्य में डॉ. अनिल शुक्ला ने पत्र जारी कर स्पष्ट किया है कि चाहे संलग्नीकरण किसी भी स्तर (संचालक, संयुक्त संचालक या अड्डूहा) से किया गया हो, उसे तत्काल रद्द माना जाए।ग्रामीण पत्र देना होगा अनिवार्यसंभागीय संयुक्त संचालक ने सभी जिलों के अड्डूहा को निर्देशित किया है कि वे अपने अधीन कार्यरत ऐसे सभी कर्मियों को कार्यमुक्त कर उनकी मूल संस्था में ज्वाइन कराएं। यही नहीं, संलग्नीकरण समाप्त करने के बाद अधिकारियों को इस आशय का 'प्रमाण पत्र' भी प्रस्तुत करना होगा कि अब उनके जिले में कोई भी कर्मचारी नियम विरुद्ध अन्यत्र संलग्न नहीं है।ग्रामीण क्षेत्रों को मिलेगा लाभइस आदेश का सीधा लाभ दूरस्थ और ग्रामीण अंचलों के अस्पतालों को मिलेगा, जहाँ स्टाफकी कमी के कारण स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही थीं। सालों से जिला मुख्यालयों या सुविधाजनक जगहों पर जमे डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफको अब अपनी मूल ड्यूटी पर लौटना होगा।

आपदा पीड़ित परिवारों को 16 लाख रूपये की आर्थिक सहायता

बलौदाबाजार। प्राकृतिक आपदा से मृत 4 लोगों के निकट परिजनों के लिए प्रत्येक व्यक्ति के लिए 4-4 लाख रूपये के मान से 16 लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने राजस्व पुस्तक परिपत्र की धारा 6-4 के तहत ये स्वीकृतियां प्रदान की हैं। जिला कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित परिजनों में शिवकुमारी केंवट पति स्व. गणेशराम केंवट, निवासी ग्राम सुनसुनिया तहसील लवन, शिवमति पटेल पति स्व. आकाश पटेल, निवासी ग्राम करदा, तहसील लवन, पंचवती साहू पति स्व. सुरेश साहू, निवासी ग्राम लाहोद, तहसील लवन एवं लेन बाई यादव पति स्व.तनगू यादव, निवासी ग्राम सरखोर, तहसील लवन शामिल है। पीड़ितों के निकट परिजनों के कुंआ, महानदी के पानी में डूबने एवं सर्पदंश से मृत्यु हो गई थी। कलेक्टर ने संबंधित तहसीलदारों को आरटीजीएस के जरिये पीड़ित लोगों के खाते में राशि जमा करने के निर्देश दिये हैं।

भाजपा की कथनी और करनी में समानता ने बनाया उसे सर्व स्वीकार्य : पं.राजेश शर्मा

धमतरी। भारतीय जनता पार्टी अपनी स्थापना के 47 वर्ष के छोटे से कार्यकाल में आम जनता से जुड़कर आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में स्थापित हो गई है। उसका प्रमुख कारण यह है कि पार्टी की कथनी एवं करनी में समानता एवं एकरूपता है जिसके कारण यहां सर्व स्वीकार होकर केंद्र सहित अनेक राज्यों में प्रमाणित सेवा का उदाहरण प्रस्तुत कर रही है। उक्त बातें भारतीय जनता पार्टी प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य पंडित राजेश शर्मा द्वारा पार्टी के स्थापना दिवस 6 अप्रैल से सेवा पखवाड़ा का जो शुरुआत हुआ है उसके अंतर्गत मकेश्वर वार्ड में पहुंचकर आम जनमानस के बीच कही है। आगे शर्मा ने कहा है कि केंद्र की मोदी सरकार तथा राज्य में विष्णुदेव साय की सरकार द्वारा समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु जो कार्य किया जा रहे हैं उससे अवगत कराते हुए लाभार्थी एवं हितग्राहियों को इसका ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने के लिए आग्रह पूर्वक प्रेरित किया। वही इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित भाजपा प्रदेश सह कार्यालय मंत्री प्रीतेश गांधी ने कहा है कि सार्वजनिक जीवन में जनता के धरातल पर सेवा की भावनाओं को अपने में आत्मसात करते हुए समर्पित भाव से संगठन को सशक्त बनाना ही भाजपा की विशिष्ट पहचान है जिसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विश्व पटल पर आगे बढ़ते हुए सबसे बड़ी पार्टी के रूप में स्थापित हो चुकी है। उक्त अवसर पर भाजपा के जिला महामंत्री महेंद्र पंडित, नगर निगम के पूर्व सभापति राजेंद्र शर्मा, नगर मंडल महामंत्री राजीव चंद्राकर, पार्षदों में आशा लोधी, पिंटू यादव, कुलेश सोनी, विकास शर्मा, लक्की डागा, देवेंद्र ध्रुवंशी, प्रकाश लहरे, देवराज पटेल, सूरज पटेल, नरेंद्र नागरची, करण ध्रुवंशी, शिव यादव, कुलेश्वर भांडेकर, रानी ध्रुवंशी, शंकर मानिकपुरी, तेजराम बंजारे, गोविंद मानिकपुरी, विनोद ध्रुवंशी, वकील खान, निर्मल पटेल, शैलेंद्र बंजारे, कुमारी यादव, लोकेश्वरी नागरची, प्रीति यादव, आशा बाई, रुक्मणी, रजिया, सुनीता सेन, कांति भांडेकर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

धन, दौलत, शोहरत से नहीं, वरन् सेवा से मिली संतुष्टि : पं.राजेश शर्मा

धमतरी। मकेश्वर वार्ड में समाजसेवी धर्मप्रेमी पंडित राजेश शर्मा के आगमन की सूचना पर वार्ड के 75 वर्षीय उम्रदराज एक पैर से विकलांग वरिष्ठजन व्यक्ति गुहाराम बंजारे जो कि 20 साल पहले जख्म के चलते अपने एक पैर को खोना पड़ा था, तब से लेकर आज तक शरीर को चलाने तथा दिनचर्या का एकमात्र सहारा ही बैसाखी है और यही गुहाराम बंजारे की टकटकी निगाहें बेसब्री से इंतजार करते हुए पं.राजेश शर्मा की उनसे मिलने के लिए आतुर एवं उनके सेवाभावी कार्यों की चर्चा सुनकर उनसे मिलने के लिए बाट जोह रहे थे जिसकी जानकारी होने पर शर्मा भी वहां सहर्ष भाव से पहुंचकर अपने प्रति अपनत्व के इस मार्मिक भाव को फौरन भांपते हुए उस बुजुर्ग व्यक्ति को गले लगाकर अपने को वार्डवासियों द्वारा किए जा रहे सम्मान को उन्हें समर्पित करते हुए शाल श्रीफल भेंट करते हुए इंसानियत, मानवता के संवेदनाओं से ओत-प्रोत एक प्रेरक एवं सार्थक पहल प्रस्तुत की। इस भावनात्मक क्षण में वहां पर उपस्थितजन कायल हो गए। वहीं भावुक होकर पंडित राजेश शर्मा के आंखों के आंसू सहसा जुबान से कह गई कि ईश्वर ने जीवन में मुझे धन, दौलत, शौहरत तो बेशुमार दी है।

खरतुली, परसतराई में भाजपा का घर-घर संपर्क, जनविश्वास हुआ मजबूत

भाजपा की नीतियां, योजनाएं समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित : चेतन हिंदूजा

धमतरी। भारतीय जनता पार्टी के गाँव चलो बूथ चलो अभियान के अंतर्गत ग्राम खरतुली एवं परसतराई में सशक्त एवं व्यापक जनसंपर्क अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत कार्यकर्ताओं द्वारा घर.घर पहुंचकर आमजन से आत्मीय संवाद स्थापित किया गया तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई जिससे आम नागरिकों में योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि चेतन हिन्दुजा जिला कोषाध्यक्ष, ओमेश यादव जिला महामंत्री भाजयुमो, व्यास नारायण साहू की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही कार्यकर्ता रोहित साहू, डोमार साहू, शिवनारायण साहू, खेमलाल साहू, होमेश्वर साहू, राधेश्याम साहू, योगेश्वर सिन्हा, फलेंद्र सिन्हा, हिरेंद्र साहू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चेतन हिन्दुजा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की नीतियां और योजनाएं समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे प्रत्येक घर तक पहुंचकर सरकार की योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराएं एवं संगठन को और अधिक मजबूत बनाएं। वहीं ओमेश यादव ने अपने संबोधन में कहा कि गाँव चलो बूथ चलो अभियान संगठन की रीढ़ को मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने युवाओं एवं कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर सक्रिय रहकर जनसेवा के कार्यों में निरंतर जुड़े रहने का आह्वान किया तथा संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प दिलाया। अभियान के दौरान लाभार्थियों से मुलाकात कर योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति का अवलोकन किया गया तथा उनके अनुभव, सुझाव एवं प्रतिक्रिया प्राप्त की गई। ग्रामीणों ने योजनाओं के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। कार्यक्रम के दौरान बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से कार्यकर्ताओं के साथ विस्तारपूर्वक चर्चा की गई तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। यह अभियान भारतीय जनता पार्टी की जनसेवा एवं जनसमर्पण की भावना को दर्शाता है जिससे संगठन की जमीनी पकड़ और अधिक सुदृढ़ हो रही है तथा आमजन के साथ जुड़ाव लगातार मजबूत हो रहा है।

सेवा को संकल्पित कर जनता के बीच आगे बढ़ने का नाम है घर-घर चलो अभियान : विजय मोटवानी

धमतरी। भाजपा के सेवा पखवाड़ा को आगे बढ़ाने के लिए आमापारा वार्ड में अखिलेश सोनकर, प्रभारी रेशमा शेख, नीतू त्रिवेदी एवं वार्ड पार्षद विजय मोटवानी द्वारा वार्ड के वरिष्ठ नागरिकों विशेष कर जिन्होंने अपने जीवन को संघर्ष की कसौटी पर करते हुए अनुभव की बेशुमार दौलत अपनी झोली में डाला है और इसी को सानिध्य प्राप्त करने हेतु मोटवानी उनका सम्मान करने उनके गृह निवास तक पहुंचते हुए उनसे संस्कार एवं अनुभव का सानिध्य लेकर भारतीय जनता पार्टी के द्वारा चलाये जा रहे पखवाड़ा के पवित्र उद्देश्य को आगे बढ़ाने का पुनीत कार्य किया। मोटवानी ने एक चर्चा में कहा है कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता की निस्वार्थ सेवा भावनाओं को अपने में आत्मसात करते हुए संकल्पबद्ध होकर सरकार के साथ ही शासन प्रशासन के योजनाओं को मूर्त रूप प्रदान कर रही है और इसी का नाम है हमारे पवित्र घर-घर चलो अभियान। सेवा पखवाड़ा के इस महत्वपूर्ण अवसर पर गणमान्य नागरिकों में मूलचंद शर्मा, ज्ञानचंद लुनावत, मदन खंडेलवाल, बीशेश्वर पटेल, देव यादव का सम्मान करते हुए विजय मोटवानी द्वारा समाज को दिशा देने वाले इन सिटीजनो के प्रति उनके योगदान के लिए उनका आभार भी व्यक्त किया। सम्मान के इस अवसर पर अखिलेश सोनकर, रेशमा शेख, नीतू त्रिवेदी, भारत सोनी, सुधीर गांधी, अमित अग्रवाल, विशाल त्रिवेदी उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायतीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com